मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 11 सितंबर 2026

संवत 2083, भाद्रपद कृष्ण 14 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 07 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 हर निराश मन को चाहिए एक भरोसेमंद कंधा

शाहरुख ने अंडरवर्ल्ड के सामने झुकेन से किया था इनकार 6

जंगल में मिला महिला का सिर कटा शव, नरबलि की आशंका से हड़कंप

संवाददाता

धनबाद : जिले के बलियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ढांगी बस्ती मड़ई थान के समीप चटनियां पुल के सामने शुक्रवार को जंगल से एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ। महिला का सिर और धड़ अलग-अलग स्थानों पर मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।

जानकारी के अनुसार गांव का एक युवक किशोर कुमार महतो सुबह शौच के लिए जंगल की ओर गया था। इसी दौरान उसकी

नजर झाड़ियों में महिला के पैर पर पड़ी। संदेह होने पर उसने तुरंत आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। जब ग्रामीणों ने मौके पर जाकर देखा तो महिला का सिर धड़ से अलग पड़ा हुआ था। इसके बाद ग्रामीण आशीष महतो ने तत्काल बलियापुर थाना को घटना की सूचना दी।

पूजा सामग्री मिलने से गहराया नरबलि का संदेहः सूचना मिलते ही बलियापुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई । घटनास्थल से अगरबत्ती और कुछ पूजा सामग्री भी बरामद हुए हैं। इस आधार पर स्थानीय ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि महिला की नरबलि देकर हत्या की गई है। हालांकि पुलिस ने नरबलि की बात से इनकार करते हुए कहा है कि वह सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम बुलाई गईः मामले की जानकारी देते हुए बलियापुर थाना के एएसआई अशोक कुमार ने बताया कि मृतका की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष के बीच प्रतीत होती है। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो सकी है और आसपास के गांवों में पूछताछ जारी है। उन्होंने बताया कि साक्ष्य जुटाने के लिए रांची से एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया गया है। जांच के बाद ही हत्या के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

ब्रिक्स समिट से पहले पीएम मोदी का संदेश, बोले-

विश्व कल्याण के लिए हो सार्थक चर्चा

एजेंसी

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स समिट से पहले संस्कृत के श्लोक 'सद्भिरेव सहासीत सद्भिः कुर्वीत सङ्गतिम्' के जरिए दुनिया को एकता और सद्भाव का संदेश दिया है। उन्होंने वैश्विक कल्याण के मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा की उम्मीद जताई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स समिट से पहले संस्कृत के श्लोक के जरिए दुनिया के प्रमुख नेताओं का स्वागत किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर कहा कि अगले कुछ दिनों में दुनियाभर के प्रमुख नेता ब्रिक्स समिट के लिए एक मंच पर जुटेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने उम्मीद जताई कि सम्मेलन के दौरान विश्व कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक और सार्थक चर्चा होगी। विश्व कल्याण के लिए सकारात्मक संवाद पर जोरः पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि सम्मेलन में सभी देश मिलकर वैश्विक हित से जुड़े मुद्दों पर रचनात्मक चर्चा करेंगे। उन्होंने इफ्क्टर के मंच से सहयोग और सकारात्मक संवाद की भावना को आगे बढ़ाने की उम्मीद जताई। संस्कृत श्लोक से दिया एकता और सद्भाव का संदेशः प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में संस्कृत के श्लोक के जरिए अच्छे लोगों के साथ रहने, सद्भाव बनाए रखने और सकारात्मक संगति का महत्व बताया। श्लोक में कहा गया है– सद्भिरेव सहासीत सद्भिः कुर्वीत सङ्गतिम्।

असद्भाव से बचने और मैत्री बढ़ाने की सीखः श्लोक का भाव है कि सज्जनों के साथ रहना और उनके साथ संगति करना चाहिए। अच्छे लोगों के साथ ही संवाद, मैत्री और व्यवहार रखना चाहिए तथा असद्भाव रखने वालों से दूरी बनाए रखनी चाहिए। ब्रिक्स समिट से पहले यह संदेश वैश्विक सहयोग और मैत्री की भावना को रेखांकित करता है।

दशहरा-दिवाली और छठ पूजा से पहले गुड न्यूज

दिल्ली से रांची तक चीनी 14 रुपए तक सस्ती

एजेंसी

नई दिल्लीः त्योहारों का सीजन शुरू होने से पहले अच्छी खबर यह है कि चीनी के भाव तेजी से नीचे आ रहे हैं। पिछले दिनों एक्स-मिल रेट में गिरावट की वजह से थोक और फुटकर रेट में भारी कमी दर्ज की जा रही है। गुरुवार को एक्स-मिल प्राइस की बात करें, तो साउथ महाराष्ट्र में चीनी का एक्स मिल रेट 4950 से 4865 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गया है। कई राज्यों में एक्स-मिल चीनी का भाव करीब 44-50 रुपए प्रति किलो तक आ गया है, जबकि कुछ सप्ताह पहले यह करीब 65 रुपए प्रति किलो था। त्योहारी सीजन के लिए चीनी की कीमतों को लेकर सरकार ने सख्ती बढ़ा दी है। केंद्र ने चीनी मिलों से कहा है कि बाजार में पर्याप्त चीनी की सप्लाई सुनिश्चित करें और इसे उचित कीमतों पर बेचें। सरकार ने यह भी साफ किया है कि वह चीनी के भाव पर लगातारः नजर रखेगी और जरूरत पड़ने पर कीमतों को स्थिर रखने के लिए सुधारात्मक कदम उठाएगी। अगर रिटेल प्राइस की बात करें तो सरकार की सख्ती और उपायों के चलते दिल्ली में 22 अगस्त के ऑल टाइम हाई रेट से चीनी 12 रुपए सस्ती हुई है और अब 56 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। कानपुर में चीनी के भाव इस अवधि में 69 रुपए से घटकर 56 रुपए पर आ गए। यहां 13 रुपए प्रति किलो दाम में गिरावट दर्ज की गई है। मुंबई और रायपुर में अभी चीनी 56 रुपए की है। रांची में चीनी 71 रुपए से 57 रुपए पर आ गई है। यहां 14 रुपए सस्ती हुई है। इसी तरह गुवाहाटी में चीनी 71 से 58 और कोलकाता में 70 से 58 रुपए पर आ गई है। हैदराबाद और चेन्नई में भी चीनी 22 अगस्त को 70 रुपए पर पहुंच गई थी, लेकिन अब क्रमशः 57 और 60 रुपए पर आ गई है।

दो स्कूलों में लगी आग, 26 छात्रों की मौत, भगदड़ में भी गई कई जानें

एजेंसी

कांगो : अफ्रीकी देश कांगो के पूर्वी हिस्से में एक घर से शुरू हुई भीषण आग ने पास के दो स्कूलों को अपनी चपेट में ले लिया। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 26 छात्रों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। दक्षिण किवु प्रांतीय सरकार के मुताबिक, मृतकों में 19 लड़कियां और 7 लड़के शामिल हैं। प्रशासन ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

यह हादसा बकावु शहर में हुआ। स्थानीय प्रशासक मोइसे लुबाला के मुताबिक, आग फुराहा सेकेंडरी स्कूल और उसके पास स्थित उजामा प्राइमरी स्कूल तक फैल गई। आग लगने के दौरान फुराहा सेकेंडरी स्कूल के अंदर कई छात्र फंस गए। कुछ छात्रों की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि बाहर निकलने की कोशिश में भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई।

लुबाला ने बताया कि स्कूल से बाहर निकलने का रास्ता बेहद संकरा था। आग से बचने के लिए कुछ छात्र खिड़कियों से कूदने लगे, जबकि अन्य दरवाजे की ओर भागे। एक साथ बड़ी संख्या में छात्रों के बाहर निकलने की कोशिश के दौरान कई छात्र गिर गए और भीड़ के पैरों तले कुचल गए। फुराहा और उजामा स्कूल के अलग-अलग उम्र के लड़के और लड़कियों को स्कूल यूनिफॉर्म में न्यामुलागिरा इज्जेट हेल्थ सेंटर ले जाया गया। वहां मौजूद नर्स सिजा जीन-बैप्टिस्ट ने बताया कि घायलों की संख्या इतनी अधिक थी कि मेडिकल स्टाफ के लिए उनका सही आंकड़ा रखना भी मुश्किल हो रहा था।

इससे पहले बकावु शहर पर नियंत्रण रखने वाले विद्रोही संगठन एम23 के प्रवक्ता लॉरेंस कन्युका ने 24 छात्रों की मौत की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि 29 घायलों का स्थानीय अस्पतालों में इलाज चल रहा है। बाद में दक्षिण किवु प्रांतीय सरकार ने मृतकों की संख्या बढ़ाकर 26 कर दी।

केदारनाथ पैदल मार्ग में फटा बादल, लैंडस्लाइड से बंद हुई सड़कें

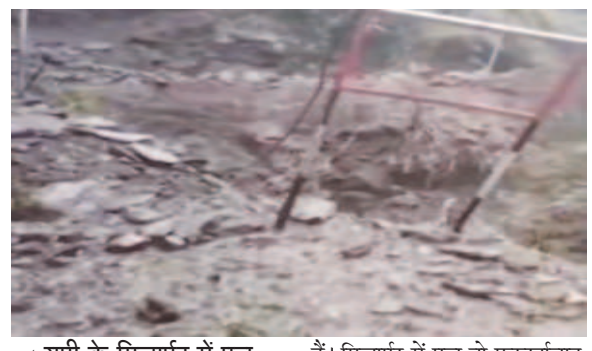

- यूपी के मिजार्पुर में पुल, फरुर्खाबाद में हाईवे डूबा, एमपी के दमोह में बाढ़ के हालात

एजेंसी

नई दिल्लीः उत्तराखंड के केदारनाथ में शुक्रवार को बादल फटा। इसके बाद लैंडस्लाइड हुई। बड़े-बड़े बोल्डर गिरने से केदारनाथ पैदल मार्ग बंद हो गया है।

वहीं, यूपी में लगातार हो रही बारिश से गंगा-यमुना समेत 10 से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। इससे 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं और 4 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। मिजार्पुर में पुल तो फरुर्खाबाद में हाईवे डूब गया है।

मध्य प्रदेश में तीन दिन के ब्रेक के बाद मानसूनी सिस्टम फिर एक्टिव हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को राज्य के 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। गुरुवार रात भोपाल, नर्मदापुरम और विदिशा में बारिश हुई। दमोह में बाढ़ के हालात हैं, कई कॉलोनियों में पानी भर गया है। उधर, बिहार में 8 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति है, जिससे 2,360 गांवों में करीब 44 लाख लोग प्रभावित हैं। 27,954 लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं।

जमीन म्यूटेशन के लिए ऑनलाइन आवेदन पर जोर सही : हाईकोर्ट

संवाददाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने जमीन के म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) के लिए ऑनलाइन आवेदन पर जोर देने को सही ठहराया है। हाईकोर्ट के जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने कहा है कि बिहार टेनेंट्स होल्डिंग्स (मेंटेनेंस ऑफ रिकॉर्ड्स) एक्ट, 1973 की धारा 11 में भले ही ऑनलाइन आवेदन शब्द का उल्लेख नहीं है, लेकिन वर्तमान डिजिटल दौर में निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाइन आवेदन करना कानून की शर्त को पूरा करता है।

कोर्ट ने मदन मोहन प्रसाद की याचिका पर फैसला सुनाया। याचिकाकर्ता को तुरंत ऑनलाइन म्यूटेशन फॉर्म भरने का निर्देश दिया। ऑनलाइन आवेदन भरने में परेशानी होने पर उसे जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) के माध्यम से पैरा-लीगल वालंटियर की सहायता लेने को कहा है। अदालत ने निर्देश दिया कि आवेदन दाखिल होने के बाद संबंधित अधिकारी उस पर निर्णय लेकर याचिकाकर्ता को इसकी जानकारी दें। इसके बाद कोर्ट ने याचिका का निष्पादित कर दिया। याचिका में जमशेदपुर के मानगो,

वार्ड नंबर 10 स्थित खाता नंबर 427, प्लॉट नंबर 2160, रकबा 0.02.40 हेक्टेयर भूमि का याचिकाकर्ता के पक्ष में म्यूटेशन करने का निर्देश देने की मांग की गयी थी। याचिकाकर्ता का ऑफलाइन म्यूटेशन आवेदन इस आधार पर स्वीकार नहीं किया गया था कि आवेदन ऑनलाइन जमा नहीं किया गया है।

याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गयी कि धारा 11 में आवेदन निर्धारित प्रपत्र में देने की बात है और ऑफलाइन आवेदन पर रोक का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इसलिए अंचल अधिकारी द्वारा ऑफलाइन आवेदन लेने से इनकार करना अधिकार क्षेत्र से बाहर है। राज्य सरकार की ओर से इसका विरोध करते हुए कहा गया कि म्यूटेशन प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने, अवैध लगान रसीद जारी होने पर रोक लगाने और म्यूटेशन के निर्माण व रद्दीकरण की प्रभावी निगरानी के लिए ऑनलाइन व्यवस्था जरूरी है। सरकार ने यह भी बताया कि धारा 11 में आवश्यक संशोधन के लिए कदम उठाये जा रहे हैं।

अदालत ने कहा कि 1973 में जब यह कानून बना था, उस समय डिजिटलीकरण और कंप्यूटरीकरण आम व्यवस्था नहीं थी। आज डिजिटल व्यवस्था सामान्य हो चुकी है। ऑनलाइन व्यवस्था से भूमि अभिलेखों को व्यवस्थित एवं पारदर्शी रखने में मदद मिलती है और फाइलों के एक टेबल से दूसरे टेबल तक जाने में होने वाली देरी व भौतिक अभिलेखों में हेरफेर की संभावना कम होती है।

हालांकि अदालत ने डिजिटल सुविधा से वंचित लोगों की समस्या पर भी ध्यान दिया। अदालत ने कहा कि देश में डिजिटल विभाजन मौजूद है और पिछड़े क्षेत्रों में ऑनलाइन आवेदन करना कठिन हो सकता है। ऐसे लोगों की सहायता के लिए सुविधा केंद्र, प्रज्ञा केंद्र, कानूनी सहायता केंद्र, मोबाइल ई-सेवा वैन और पैरा-लीगल वालंटियर उपलब्ध हैं।

अदालत ने स्पष्ट किया कि भूमि अभिलेखों में पारदर्शिता और उचित रखरखाव के लिए राजस्व अधिकारियों द्वारा ऑनलाइन म्यूटेशन आवेदन पर जोर देना धारा 11 का उल्लंघन नहीं है और न ही यह उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

झारखंड हाईकोर्ट को मिलेंगे तीन नए जज

– गढ़वा, साहेबगंज और पलामू के पीडीजे के नाम पर कॉलेजियम की मुहर

मेदिनीनगरः सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने झारखंड के तीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पीडीजे) को झारखंड हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त करने की अनुशंसा पर सहमति दे दी है। कॉलेजियम की मंजूरी के बाद अब तीनों नाम केंद्र सरकार के पास भेजे जाएंगे। केंद्र सरकार की मंजूरी और नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद तीनों न्यायिक अधिकारियों के हाईकोर्ट के न्यायाधीश बनने का रास्ता साफ हो जाएगा। तीन न्यायिक अधिकारियों के नाम पर सहमतिः कॉलेजियम ने जिन तीन न्यायिक अधिकारियों के नाम पर सहमति जतायी है, उनमें गढ़वा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज प्रसाद, साहेबगंज के पीडीजे अखिल कुमार और पलामू के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीराम शर्मा शामिल हैं। मनोज प्रसाद वर्तमान में गढ़वा में पीडीजे के पद पर कार्यरत हैं। वहीं अखिल कुमार साहेबगंज और श्रीराम शर्मा पलामू में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर पदस्थापित हैं। न्यायायिक कार्यों में तेजी की उम्मीदः कॉलेजियम की इस अनुशंसा को झारखंड के न्यायिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने के बाद तीनों न्यायिक अधिकारियों के हाईकोर्ट में योगदान देने से न्यायिक कार्यों के निष्पादन में तेजी आने की उम्मीद है।

लोन धोखाधड़ी मामले में ईडी 12 जगहों पर चला रही तलाशी अभियान

एजेंसी

नई दिल्लीः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पटना जोन ने ईडी पटना जोन ने शुक्रवार को मेसर्स रामनंदी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स लिमिटेड (आरएचआरएल), गया, बिहार द्वारा किए गए बैंक फ्रॉड के मामले में पीएमएलए की धारा 17 के तहत सर्च ऑपरेशन चला रही है। इस कंपनी को मिस्टर अखौरी गोपाल और उनके बेटे निशांत और नितेश कंट्रोल करते हैं। ईडी 9 जगहों पर सर्च कर रही है जिनमें गया में 6, गुरुग्राम में 2 और नई दिल्ली में एक जगह शामिल हैं। वहीं, एक अन्य मामले में ईडी के कोलकाता जोनल ऑफिस 3 जगहों पर तलाशी अभियान चला रही है।

जांच के दौरान यह पता चला कि आरएचआरएल ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले बैंकों के ग्रुप से मिले 85 करोड़ रुपये में से 58 करोड़ रुपये का गलत इस्तेमाल किया। यह रकम उनके सीए द्वारा दी गई नकली प्रोजेक्ट पूरा होने की रिपोर्ट के आधार पर ली गई थी। इन लोन के बदले अखौरी गोपाल और उनके परिवार के सदस्यों की पर्सनल गारंटी भी बैंकों को दी गई थी।

ग्रुप की एक संबंधित कंपनी की बकाया रकम के बदले 5 प्रॉपर्टीज टाटा मोटर्स लिमिटेड के पास गिरवी रखी गई थीं। हालांकि, हाल ही में गिरवी होने के बावजूद इन प्रॉपर्टीज को बहुत कम कीमत पर बेच दिया गया और सेल डीड में इसे कैश पेमेंट के तौर पर दिखाया गया।

पता चला है कि कुछ खरीदार कम आय वाले लोग हैं और इतनी बड़ी रकम का इंतजाम करने में सक्षम नहीं हैं। शक है कि वे अखौरी गोपाल के बेनामीदार/प्रॉक्सी हैं। इस बिक्री का मकसद प्रॉपर्टीज को हटाना था ताकि ईडी द्वारा कोई सख्त कार्रवाई न की जा सके। सीबीआई की चार्जशीट के अनुसार, अपराध से हुई कमाई (पीओसी) लगभग 131।79 करोड़ रुपये (एनपीए वैल्यू) है। वहीं, ईडी के कोलकाता जोनल ऑफिस ने पीएमएलए, 2002 के नियमों के तहत एआरएसएस ग्रुप (ओडिशा) और एएमआर/एएमआरएल ग्रुप से जुड़ी जगहों पर तलाशी अभियान चला रहा है। एआरएसएस ग्रुप से जुड़े लोगों में इसके पुराने प्रमोटर व डायरेक्टर परिवार के सदस्य अनिल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, सुनील अग्रवाल और सुभाष अग्रवाल शामिल हैं और एएमआर/एएमआरएल ग्रुप प्रमोटर महेश कुमार रेड्डी अल्थुरु से जुड़ा है। यह तलाशी एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड (एसआईएफएल) और एसआरईआई इक्विपमेंट फाइनेंस लिमिटेड (एसआईएफएल) से लिए गए कथित धोखाधड़ी वाले व अनियमित लोन और उनके बाद लोन न चुकाने की जांच के सिलसिले में की जा रही है। इसमें फंड की एवरग्रीनिंग , फंड को दूसरी जगह लगाने व राउंड-ट्रिपिंग और दूसरी अनियमितताओं का शक भी शामिल है। तलाशी कोलकाता, चेन्नई, बैंगलोर और हैदराबाद में की जा रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेश अध्यक्ष बने निशांत जायसवाल बधाइयों का लगा तांता

चतराः ऑल इंडिया कांग्रेस कमिटी ने चतरा के युवा नेता और व्यवसाई निशांत जायसवाल को ओबीसी विभाग का झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। ऑल इंडिया कांग्रेस कमिटी के राष्ट्रीय महासचिव के सी वेणुगोपाल ने 10 सितंबर को पत्र जारी किया। कांग्रेस के युवा नेता निशांत जायसवाल ने ओबीसी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी का धन्यवाद किया है। वहीं इनकी नियुक्ति के बाद समर्थकों ने उम्मीद जताई कि निशांत जायसवाल के नेतृत्व में ओबीसी समाज के अधिकारों और हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा। समर्थकों ने कहा कि निशांत जायसवाल के अनुभव और नेतृत्व क्षमता से संगठन को मजबूती मिलेगी। साथ ही ओबीसी समाज की समस्याओं और मांगों को कांग्रेस के मंच से प्रभावी तरीके से उठाने में मदद मिलेगी।

उपायुक्त ने वेयरहाउस का किया आंतरिक निरीक्षण

चतरा : भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली से प्राप्त निर्दशों के आलोक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रवि आनंद द्वारा जिला निर्वाचन कार्यालय परिसर स्थित वेयरहाउस का आंतरिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, रख-रखाव एवं निर्वाचन सामग्रियों के संरक्षण से संबंधित व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस क्रम में वेयरहाउस में लगाए गए ताले, सील, अभिलेखों तथा सुरक्षा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न पहलुओं की भौतिक जांच की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वेयरहाउस की साफ-सफाई, नियमित निगरानी एवं सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही निर्वाचन से संबंधित उपकरणों एवं सामग्रियों का समय-समय पर परीक्षण एवं रख-रखाव भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया । उपायुक्त ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप वेयरहाउस का सुव्यवस्थित रख-रखाव एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखने के लिए नियमित निरीक्षण एवं अनुश्रवण पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष/सचिव अथवा उनके प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी रवींद्र कुमार, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल, अग्निशमन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

पांच लाख के 975 ग्राम अफीम के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

चतरा : एसपी अनिमेष नैथानी के निर्देश पर गुरुवार की देर शाम चतरा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सन्नी वर्धन के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने सिमरिया थाना क्षेत्र के सबानो-केन्दु रोड स्थित रानी पोखर के पास से 975 ग्राम अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। आज सिमरिया अनुमंडल पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में चतरा एसडीपी सन्नी वर्धन ने बताया कि सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के सबानो-केन्दु, रोड स्थित रानी पोखर के पास कुछ व्यक्ति अवैध रुप से अफीम की खरीद-बिक्री करने वाले हैं। सूचना के बाद उनके नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सबानो गांव के गुलचन्द साव (49 वर्ष) पिता कन्नी साव को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गुलचन्द साव की निशानदेही पर 975 ग्राम अवैध अफीम बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि बरामद अफीम की अनुमानित मूल्य लगभग 5 लाख रु आंकी गई है। इस संदर्भ में सिमरिया थाना कांड सं0-157/26, दि०- 10.09.2026, धारा-8/17(बी)/18(सी)/28/29 एनडीपीएस दर्ज किया गया है एवं गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। छापेमारी दल में चतरा एसडीपीओ सन्नी वर्धन,पुअनि सह थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता एवं सिमरिया थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

कोलकाता से धनबाद होकर ऋषिकेश के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

धनबाद : दुर्गा पूजा से लेकर छठ महापर्व तक ट्रेन में उमड़ रही भीड़ को देखते हुए रेलवे ने योग नगरी ऋषिकेश से कोलकाता के बीच धनबाद होकर आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की। ट्रेन दून एक्सप्रेस के रूट पर चलेगी।ऋषिकेश-कोलकाता स्पेशल 16 अक्तूबर से 20 नवंबर तक हर शुक्रवार को ऋषिकेश और कोलकाता-ऋषिकेश स्पेशल 18 अक्तूबर से 22 नवंबर तक हर रविवार को कोलकाता से चलेगी। ट्रेन में जल्द बुकिंग शुरू होगी। ऋषिकेश से कोलकाता स्पेशल ऋषिकेश से रात 10.20 बजे खुलेगी। ट्रेन हरिद्वार होते हुए अगले दिन रात 11.25 बजे गोमो और रात 12.35 बजे धनबाद में रुकते हुए सुबह आठ बजे कोलकाता पहुंचेगी। कोलकाता से ऋषिकेश स्पेशल दोपहर 1.55 बजे कोलकाता से खुलेगी। ट्रेन रात 9.05 बजे धनबाद, रात 9.35 बजे गोमो में रुकते हुए अगली रात 11.30 बजे ऋषिकेश पहुंचेगी। ट्रेन में सफर के लिए यात्रियों को पहले से आरक्षण कराना होगा।

जेएसएससी सीजीएल मामले में सीआईडी ने कोडरमा में की छापेमारी

राजेश यादव समेत दो को लिया हिरासत में, पूछताछ जारी

संवाददाता

कोडरमा : गुरुवार देर रात जेएसएसी सीजीएल परीक्षा में हुई धांधली को लेकर सीआईडी की टीम ने कोडरमा में दो जगहों पर छापेमारी की। जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र के गोलवाढ़ाब और कोडरमा थाना क्षेत्र के बरसोतियाबार में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान राजेश यादव और संदीप कुमार को सीआईडी ने हिरासत में लिया और उसे रांची लेकर चली गई।शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका डोमचांच और बरसोतियाबार से हिरासत में लिए गए राजेश समेत दो युवकः जानकारी के अनुसार, डोमचांच थाना क्षेत्र के गोलवाढाब निवासी राजेश यादव, पिता जगदीश यादव, के यहां भी सीआईडी की टीम पहुंची। स्थानीय स्तर पर राजेश यादव को कथित पत्रकार बताया जा रहा है। टीम उनसे पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है।इसके साथ ही संदीप कुमार नाम के युवक को सीआईडी की टीम उठाकर ले गई। इसके तुरंत बाद सीआईडी की टीम

ने कोडरमा सदर थाना क्षेत्र के बरसोतियाबार में छापेमारी कर एक अन्य युवक को अपनी हिरासत में लिया। पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर कार्रवाईः सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जेएसएससी सीजीएल परीक्षा धांधली मामले में सीआईडी द्वारा पहले हिरासत में लिए गए मुख्य आरोपियों और बिचौलियों से पूछताछ के दौरान कोडरमा के इन युवकों के नाम सामने आए थे। रिमांड और पूछताछ के दौरान यह बात निकलकर आई कि कोडरमा के ये दोनों युवक परीक्षा सिंडिकेट और धांधली में शामिल लोगों के लगातार संपर्क में थे। हालांकि, सीआईडी या स्थानीय पुलिस की ओर से अभी तक इस बात का आधिकारिक खुलासा नहीं किया गया है कि पकड़े गए युवकों की सीजीएल परीक्षा धांधली में किस स्तर की भूमिका थी क्या वे प्रश्नपत्र की खरीदारी-बिक्री में शामिल थे, परीक्षार्थियों को सेट कराने का काम कर रहे थे या केवल बिचौलियों के माध्यम से आर्थिक लेन-देन संभाल रहे थे। फिलहाल सीआईडी टीम पूछताछ कर रही है, जिससे इस नेटवर्क के अन्य सफेदपोशों और मास्टरमाइंड का सुराग मिलने की संभावना है।

रजरप्पा मंदिर के विकास पर हाईकोर्ट सख्त, सरकार के फंड वाले रुख पर उठाए सवाल, मांगी स्टेटस रिपोर्ट

संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने रामगढ़ जिला स्थित प्रसिद्ध रजरप्पा के मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर के जीर्णोद्धार और बुनियादी सुविधाओं के विकास से जुड़े अवमानना मामले में राज्य सरकार से विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। अदालत ने मंदिर परिसर के विकास के लिए फंड की व्यवस्था और राज्य सरकार के बदलते रुख पर कड़े सवाल उठाए हैं। उच्च न्यायालय ने सरकार को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वह अगली सुनवाई तक इस मामले में पूरी स्थिति स्पष्ट करते हुए प्रगति रिपोर्ट अदालत के समक्ष दाखिल करे।

मामले की सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के तर्कों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पूर्व में पर्यटन सचिव ने अदालत को यह जानकारी दी थी कि मंदिर परिसर के विकास कार्यों के लिए

धन की कोई कमी नहीं है। अब राज्य सरकार केंद्र सरकार की प्रसाद योजना के तहत राशि मांगने की बात कह रही है। अदालत ने इस बदलाव पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जब फंड की कमी नहीं थी तो केंद्र सरकार की प्रसाद योजना से राशि क्यों मांगी जा रही है। सरकार को इस संबंध में अगली सुनवाई तक अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी।

अदालत के निर्देश का अनुपालन अब तक नहींः यह पूरा मामला प्रार्थी संजीव कुमार सिंह की ओर से दायर अवमानना याचिका से जुड़ा हुआ है। प्रार्थी ने अपनी याचिका में जनहित याचिका में पूर्व में पारित अदालत के आदेशों का पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर के जीर्णोद्धार और वहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निदेर्शों का अपेक्षित अनुपालन अब तक नहीं हुआ है।

मंदिर परिसर के विकास से जुड़े इस मामले की सुनवाई के दौरान रामगढ़ के उपायुक्त भी अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे। अगली सुनवाई 17 सितंबर को : उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के पक्ष को सुनने के बाद मामले की अगली सुनवाई के लिए 1 7 सितंबर की तारीख निर्धारित की है। तब तक राज्य सरकार को मंदिर परिसर के विकास कार्यों, फंड की व्यवस्था और पूर्व में पारित आदेशों के अनुपालन से संबंधित विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट अदालत में प्रस्तुत करनी होगी। अदालत की अगली सुनवाई में राज्य सरकार की ओर से की गई प्रगति और उसके दावों की विस्तार से समीक्षा की जाएगी।

दुर्गावाहिनी मातृ शक्ति ने मनाया विश्व हिंदू परिषद का स्थापना दिवस

संवाददाता

खलारी : विश्व हिंदू परिषद का 62वां स्थापना दिवस रांची जिला अंतर्गत गुरवार को खलारी प्रखंड के चुरी पूर्वी पंचायत स्थित मानकी में दुर्गावाहिनी प्रखंड संयोजिका सुनीता महतो की अध्यक्षता में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रांत सामाजिक समरसता कार्यसमिति सदस्य रोबिन कुमार महतो रांची जिला संगठन मंत्री कार्तिक विश्वकर्मा , बजरंग दल जिला संयोजक बिनोद विश्वकर्मा एवं चुरी पश्चिमी संयोजिका नीरा देवी उपस्थित थे । इसके साथ ही दुर्गा वाहिनी एवं मातृशक्ति की बड़ी संख्या में माताएं-बहनें उपस्थित रहीं। इस अवसर पर प्रांत अधिकारी रोबिन कुमार महतो ने विहिप की स्थापना, उसके उद्देश्यों और सामाजिक समरसता के क्षेत्र में संगठन के कार्यों पर प्रकाश डाला। वहीं जिला संगठन मंत्री कार्तिक विश्वकर्मा ने संगठन के विस्तार और मातृशक्ति की भूमिका पर संक्षेप में अपना विचार रखा। कार्यक्रम में सभी ने संगठन को मजबूत करने और हिंदू समाज को संगठित करने का संकल्प लिया। मौके पर मीना देवी, मंजू देवी, लक्ष्मी देवी, ललिता देवी, सरोज तिर्की, समुद्री देवी, रेनू देवी, ननकी देवी, रीना देवी सहित अन्य दुर्गा वाहिनी एवं मातृशक्ति की सदस्य उपस्थित थीं।

गौवंशीय पशु तस्करी में संलिप्त अनवर उर्फ नेपाली कुरैशी गिरफ्तार

संवाददाता

चतरा : गौ वंशीय पशु तस्करी के खिलाफ चतरा पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में दुर्दांत पशु तस्कर अनवर उर्फ नेपाली कुरैशी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। अनवर उर्फ नेपाली कुरैशी,सदर थाना क्षेत्र के भिंड मोहल्ला के शहादत चौक के सेराज कुरैशी का पुत्र है। गुरुवार को सदर थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में इस आशय की जानकारी देते हुए चतरा के एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने बताया कि एसपी अनिमेष नैथानी को गुप्त सूचना मिली थी कि गौवंश तस्करी और गौवंश वध में संलिप्त तस्कर नेपाली अपने शहर स्थित घर पर आया हुआ है। सूचना पर उनके नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तस्कर को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तस्कर के खिलाफ चतरा सदर एवं कुंदा थाने में 24 मामले दर्ज हैं। छापेमारी टीम में सदर थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक अनिल उरांव एवं पुलिस अवर निरीक्षक मनीष कुमार शामिल थे।

निगम खुद वसूलेगा प्रॉपर्टी टैक्स, तैयारी का निर्देश

धनबाद : नगर निगम में बीते 16 दिनों से बंद पड़ी टैक्स वसूली अगले हफ्ते से शुरू हो सकती है। सूडा के निदेशक सूरज कुमार ने गुरुवार को सभी नगर निकायों के नगर आयुक्त के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में निर्देश दिया कि नगर निगम खुद से टैक्स वसूली की तैयारी कर लें। नगर निगम के टैक्स कलेक्टर को सूडा की ओर से आईडी और पासवर्ड दिए जाएंगे। धनबाद समेत पूरे झारखंड में 25 अगस्त से प्रॉपर्टी टैक्स वसूली का काम ठप पड़ा है। सरकार ने आदेश जारी कर निजी एजेंसी को टैक्स वसूली से हटा दिया। धनबाद नगर निगम में 14 टैक्स कलेक्टर हैं। अब शहर में टैक्स वसूली का काम टैक्स कलेक्टर के जिम्मे होगा। नगर निगम में तीन टैक्स काउंटर भी अब यह टैक्स कलेक्टर ही संचालित करेंगे। नगर निगम को वित्तीय वर्ष-2026-27 में 55 करोड़ का लक्ष्य दिया गया है। अबतक 20 करोड़ की टैक्स वसूली हुई है। अचानक से टैक्स कलेक्शन बंद होने पर निगम पर राजस्व वसूली का दबाव बढ़ गया है।

मरमदिरी गांव के बढ़ई टोला की सड़कें बेहाल

सड़कें बनी गड्ढों का जाल

चंदा कर सड़क की मरम्मत को मजबूर ग्रामीण

संवाददाता

चतरा : जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत मरमदिरी गांव के बढ़ई टोला की सड़क इन दिनों बदहाली की ऐसी तस्वीर पेश कर रही है, जो विकास के दावों पर सवाल खड़े करती है। इस गांव की करीब तीन किलोमीटर सड़क जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। सड़क की हालत इतनी खराब है कि पैदल चलना भी ग्रामीणों के लिए मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार सड़क की बदहाली को देखते हुए गांव के लोगों ने दो बार आपस में चंदा जमा कर सड़क को किसी तरह चलने लायक बनाने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने अपने स्तर से मिट्टी, मोरम और अन्य सामग्री डालकर गड्ढों को भरने की कोशिश की, लेकिन बारिश और लगातार आवागमन के कारण सड़क फिर से बदहाल हो गई। सड़क खराब होने का सबसे ज्यादा असर मरीजों, बुर्जुगों, स्कूली बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों पर पड़ रहा है। बारिश के दिनों में गड्ढों में पानी भर जाने से यह पता लगाना भी मुश्किल हो जाता है कि सड़क पर गड्ढा कितना गहरा है। इससे दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि जब सड़क बनाने की जिम्मेदारी सरकार और विभाग की है, तो आखिर कब तक गांव के लोग अपनी जेब से चंदा जुटाकर सड़क को ठीक कराते रहेंगे? ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से करीब तीन किलोमीटर सड़क का स्थायी निर्माण कराने की मांग की है।

जान जोखिम में डाल नदी पार करने को मजबूर स्कूली बच्चे और ग्रामीण

विकास के दावों की खुली पोल, घंघरी-दंतार सड़क भी बदहाल

विकास कुमार यादव

चतरा : कंधे पर स्कूल बैग और सामने रसरसी नदी का पानी। पुल नहीं होने के कारण हंटरगंज प्रखंड के दंतार इलाके के स्कूली बच्चे बरसात में जान जोखिम में डालकर नदी पार कर स्कूल जाने को मजबूर हैं। नदी का जलस्तर बढ़ते ही बच्चों के साथ अभिभावकों की चिंता भी बढ़ जाती है। घंघरी से दंतार तक जाने वाली सड़क भी जगह-जगह गड्ढों में तब्दील है। इस मार्ग से दंतार, कसियाडीह, मांझगवा, बनियाबांध, लेढ़ो, कुसुम्भा, तेलियाउना, जोलडीहा, राजगुरु, कुरखेता, पंडरकोला, बघमारी समेत दर्जनों गांवों के ग्रामीण आवागमन करते हैं। बारिश में बदहाल सड़क और रसरसी नदी ग्रामीणों के लिए दोहरी परेशानी बन जाती है। ग्रामीणों के अनुसार, बारिश के दिनों में रसरसी नदी का जलस्तर बढ़ने पर बच्चों का स्कूल पहुंचना मुश्किल हो जाता है। कई बच्चे स्कूल बैग लेकर पानी के बीच से नदी पार करते हैं। पानी अधिक बढ़ने पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। कई बार बच्चों को नदी के दूसरी ओर पानी कम होने का इंतजार करना पड़ता है। इससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित होती है। नदी पार करते स्कूली बच्चों की तस्वीरें क्षेत्र की जमीनी हकीकत बयां कर रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है। हर साल

बरसात में यही स्थिति बनती है। बच्चों को नदी पार करते देख अभिभावक सहमे रहते हैं। उन्हें डर रहता है कि कहीं पैर फिसलने या तेज बहाव की चपेट में आने से कोई बड़ा हादसा न हो जाए।

टेंडर हुआ, वन विभाग की मंजूरी में अटका पुलः ग्रामीणों के अनुसार, रसरसी नदी पर पुल निर्माण के लिए टेंडर हो चुका है। इसके बावजूद वन विभाग की मंजूरी नहीं मिलने के कारण निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहा है। ग्रामीणों का सवाल है कि जब पुल की जरूरत लंबे समय से है और टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है, तो विभागीय अड़चन कब दूर होगी और निर्माण कार्य कब शुरू होगा।

शिकायतों के बाद भी नहीं बदली तस्वीरः ग्रामीणों का दावा है कि पुल और सड़क की समस्या को लेकर स्थानीय सांसद और विधायक से कई बार लिखित शिकायत की गई है। इसके बावजूद अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है।ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के समय सड़क, पुल और विकास के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन बरसात में बच्चों को नदी पार करते देख उन दावों की जमीनी हकीकत सामने आ जाती है। ग्रामीण अब आश्वासन नहीं, बल्कि धरातल पर काम चाहते हैं।

राज्यभर में तीन दिन बंद रहेंगे बैंक 35 हजार कर्मचारी हड़ताल पर

दो हजार से ज्यादा बैंक शाखाएं होंगी प्रभावित

संवाददाता

रांचीः राज्यभर में बैंकों में आज हड़ताल है। बैंक के आंचलिक कार्यालयों के बाहर कर्मचारी और अधिकारी एकजुट होकर प्रदर्शन कर रहे हैं। मांगों को लेकर बैंक संघ के नेतृत्व में सभी आंचलिक कार्यालयों के सामने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन हो रहा है। स्ट्राइक को लेकर बैंक ब्रांचों और कार्यालयों के बाहर बाकायदा तंबू गाड़े गए हैं। बड़ी संख्या में महिला कर्मचारी भी इस प्रदर्शन में हिस्सा ले रही हैं।

लगातार तीन दिन प्रभावित रहेगा कामकाजः शुक्रवार की हड़ताल के बाद दूसरा शनिवार साथ ही रविवार की छुट्टी के चलते बैंकों में लगातार तीन दिन तक कोई कामकाज नहीं होगा। हड़ताल में राज्य भर में

6,लीड

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कार्यरत 30 से 35 हजार बैंक अधिकारी और कर्मचारी सीधे तौर पर हड़ताल में शामिल हैं।

रांची में आंचलिक कार्यालयों के बाहर कर्मचारियों का प्रदर्शनः राजधानी ओवरब्रिज प्रधान टावर के सामने बैंक ऑफ इंडिया, कचहरी चौक स्थित भारतीय स्टेट बैंक, कांटाटोली स्थित पंजाब नेशनल बैंक, अरगोड़ा चौक स्थित यूनियन बैंक सहित अन्य सभी रीजनल ऑफिस के बाहर कर्मचारी एकजुट होकर प्रदर्शन में भाग ले रहे हैं।

दो दिनों की वार्ता बेनतीजा रहने के बाद लिया गया हड़ताल का फैसला

: केंद्रीय श्रमायुक्त कार्यालय में बैंक प्रबंधन, वित्त मंत्रालय और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बीच दो दिनों तक चली वार्ता बुधवार को बेनतीजा खत्म होने के बाद अखिल भारतीय स्तर पर यूनियन के द्वारा 11 सितंबर को स्ट्राइक कॉल की गई थी।

28 से 30 सितंबर तक फिर राष्ट्रव्यापी हड़ताल का ऐलानः ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव डीएन त्रिवेदी ने बताया कि यूनियनों ने 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल की घोषणा की है। मांगों पर पहल नहीं हुई तो अक्तूबर के अंत से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू होगी।

दुर्गा पूजा पंडाल के निर्माण को लेकर भूमि पूजन संपन्न

मेट्रो रेज

रांचीः चुटिया नव युवक संघ दुर्गा पूजा समिति, महादेव मंडा, रांची के तत्वावधान में दुर्गा पूजा महोत्सव धूमधाम से मनाने को लेकर भव्य दुर्गा पूजा पंडाल के निर्माण के लिए भूमि पूजन (खूटी पूजा) संपन्न हुआ। इस आयोजन में पूरे विधि विधान के साथ पंडित दीपक पांडे ने पूजन कराया। जजमान के रूप में समिति के अध्यक्ष राजकुमार महतो उपस्थित थे। इस आयोजन में मुख्य रूप से समिति के मुख्य सलाहकार शंकर दुबे, वार्ड पार्षद अंजू देवी,

मुख्य संरक्षक राधेश्याम केसरी, संजय प्रसाद, प्रमोद गोप, बादल महतो, अरविंद कुमार, उदय पासवान, लालो महतो, रविंद्र प्रसाद, सरवन महतो, मनोज गोप, रवि गोप, भोला चौधरी, रामदेव लोहरा, मंटू मुंडा, अनूप ठाकुर, सुमित महतो, सूरज मुंडा, राजू गोप, कृष्ण गोप, शिवम गोप, रंजन यादव, अनिल राम, रेखा महतो, ममता देवी, मुन्नी मुंडा, अमित साहू, अजीत गोप, गौतम महतो, अमित लोहरा, रितेश गोप, शांनु ठाकुर, आदित्य साहू, आर्यन कुमार, सुनील वर्मा, सूरज साहू, काली चौधरी व अन्य शामिल थे।

झारखंड में 12 सितंबर को नेशनल लोक अदालत

रांचीः साल 2026 के तीसरे नेशनल लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर को झारखंड के सभी जिलों में किया जाएगा। धनबाद में आयोजित राज्य स्तरीय विधिक सहायता सह सशक्तिकरण शिविर से लोक अदालत का उद्घाटन झारखंड स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (झालसा) के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। इस नेशनल लोक अदालत में लगभग 1.50 लाख पेंडिंग केस के निष्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

295 बेंचों पर विभिन्न मामलों का होगा निपटाराः लोक अदालत की सफलता के लिए राज्य भर में 295 बेंचों का गठन किया गया है। इसमें सभी प्रकार के वाद-विवाद एवं गैर विवादित मामले, चेक बाउंस के मामले, बिजली चोरी के मामले, उत्पाद, वन, मोटर वाहन के मामले, पारिवारिक मामले तथा विभिन्न दीवानी मामले का निष्पादन किया जाएगा। लोक अदालत लोगों को त्वरित न्याय दिलाने का एक प्रभावी माध्यम है।

बड़ागांईं की बदहाल सड़क को लेकर सड़क पर उतरे जनप्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता

गुलाम शाहिद

रांचीः बड़ागांईं क्षेत्र में लंबे समय से बदहाल पड़ी सड़क की समस्या को लेकर पूर्व पार्षद जावेद अख्तर, समाजसेवी केशर अहमद, झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष शिल्पी कुमारी वर्मा, पूर्व जिला महासचिव शिखा रॉय (भिलाई, छत्तीसगढ़), रांची महानगर जिला महासचिव इमरान एवं सदाब अहमद खान ने क्षेत्र का दौरा किया। टीम ने मौके पर पहुंचकर सड़क की स्थिति का जायजा लिया।

इस दौरान स्थानीय लोगों से बातचीत कर सड़क की जर्जर स्थिति और उससे होने वाली परेशानियों की जानकारी ली गई। टीम ने कहा कि सड़क की वास्तविक स्थिति की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर संबंधित नगर निगम को सौंपी जाएगी, ताकि समस्या के समाधान की दिशा में ठोस पहल हो सके।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की बदहाली के कारण आवागमन में काफी परेशानी होती है। वर्षों से चली आ रही इस समस्या के समाधान को लेकर अब लोगों को उम्मीद जगी है। टीम के सदस्यों ने कहा कि यदि जल्द सड़क का निर्माण नहीं कराया गया तो पहले संबंधित विभाग को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की जाएगी। इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो नगर निगम कार्यालय का घेराव कर जनता की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा।

हल्द्वानी शुद्धिकरण मामले में जीरो एफआईआर की मांग

रांचीः हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद कथित शुद्धिकरण हवन-यज्ञ और गंगाजल छिड़काव के मामले में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने रांची के एससी/एसटी थाना में लिखित आवेदन देकर जीरो एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

नायक ने कहा कि यदि दलित नेता की मौजूदगी के कारण सार्वजनिक स्थल को अपवित्र मानकर शुद्धिकरण कराया गया, तो यह जातिगत भेदभाव और अपमान का गंभीर मामला है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच, सीसीटीवी फुटेज व अन्य डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित कराने तथा दोषी पाए जाने वालों पर एससी/एसटी कानून सहित अन्य लागू प्रावधानों के तहत कार्रवाई की मांग की।

मोबाइल पर जीएसटी घटाने की मांग

आईसीईए ने की 18 से घटाकर 5 फीसदी करने की अपील

संवाददाता

रांचीः इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने केंद्र सरकार से मोबाइल फोन पर लगने वाले जीएसटी को 18 फीसदी से घटाकर पांच फीसदी करने की मांग की है। संगठन ने इस प्रस्ताव को आगामी जीएसटी काउंसिल की बैठक में रखने की अपील की है।

आईसीईए का कहना है कि जीएसटी में कमी से मोबाइल फोन की कीमत घट सकती है, जिससे डिजिटल सुविधाओं की पहुंच और बढ़ेगी। संगठन के अनुसार, देश में करीब 25 करोड़ लोग अब भी फीचर फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, कम आय वाले और ग्रामीण परिवारों के कई लोग स्मार्टफोन खरीदने में कीमत को बड़ी बाधा मानते हैं।

एसोसिएशन के मुताबिक, मोबाइल फोन अब केवल संचार का साधन नहीं है। डिजिटल भुगतान, बैंकिंग, सरकारी सेवाओं, ऑनलाइन शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य डिजिटल सुविधाओं तक पहुंच के लिए स्मार्टफोन महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। ऐसे में इसकी कीमत कम होने से अधिक लोगों को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ने में मदद मिल सकती है।

आईसीईए ने मोबाइल विनिर्माण क्षेत्र में भारत की प्रगति का भी उल्लेख किया। संगठन के अनुसार, देश में मोबाइल फोन का उत्पादन वित्त वर्ष 2014-15 के 18,900 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 6127 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसी अवधि में मोबाइल फोन का निर्यात 1,566 करोड़ रुपये से बढ़कर 2160 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। आईसीईए के अनुसार भारत मात्रा के लिहाज से दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निमार्ता है।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम– सुनिल लोहरा, उम्र– 51 वर्ष, उँचाई– 5 फीट 4 ईंच, रंग– साँवला, पहनावा– पीला रंग का टी–शर्ट एवं नीला रंग का पैजामा पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति सुनिल लोहरा, उम्र– 51 वर्ष, पिता– बुधवा लोहरा, पता–घासी मोहल्ला, आदर्श नगर, धुर्वा, थाना–सदर, जिला–राँची जो दिनांक– 27.07.2026 से लापता है जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में विधानसभा थाना सनहा सं0– 12/2026, दिनांक– 31.07.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID (rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, मु0, द्वितीय, राँची। – 9431706142
थाना प्रभारी, विधान सभा, राँची। – 8987790604

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 389439 Police (26-27)_D

84 पंचायत चुनाव में बढ़ी सरगर्मी, सदर पद के लिए मेराजुद्दीन ने लिया नामांकन फॉर्म

गुलाम शाहिद

रांचीः मरकजी इदरीसिया चौरासी पंचायत के वर्ष 2026 के आंतरिक सामाजिक चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गयी है। समाज के विभिन्न पदों के लिए संभावित उम्मीदवारों ने अपनी दावेदारी पेश करनी शुरू कर दी है। चुनाव को लेकर पंचायत क्षेत्र में बैठकों और जनसंपर्क का दौर भी बढ़ने लगा है। इसी क्रम में सदर पद के उम्मीदवार मेराजुद्दीन ने कन्वेनर कार्यालय पहुंचकर नामांकन

फॉर्म प्राप्त किया। इस दौरान उनके समर्थक भी मौजूद रहे। समर्थकों ने मेराजुद्दीन के प्रति अपना समर्थन जताते हुए चुनाव में उनकी उम्मीदवारी को लेकर उत्साह व्यक्त किया।

चुनाव को लेकर समाज के लोगों के बीच भी चर्चा तेज हो गयी है। आने वाले दिनों में विभिन्न पदों के लिए और उम्मीदवारों के नाम सामने आने की संभावना है। चुनावी प्रक्रिया आगे बढ़ने के साथ ही पंचायत क्षेत्र में राजनीतिक एवं सामाजिक गतिविधियां और तेज होने की उम्मीद है।

OFFICE OF THE SUPERINTENDNET, SHEIKH BHIKHARI MEDICAL COLLEGE HOSPIAL, HAZARIBAG

E- TENDER NO. 02/2026-27
TIME LINE FOR E-TENDER

Sheikh Bhikhari Medical College Hospital, Hazaribag is inviting the E-tender (Single Bid System) for establishment of Jan Aushadhi Kendra in the Sheikh Bhikhari Medical College Hospital Campus as per given terms and condition.

Sl No	Event Description	Date (Time Line)
1	Name of work	Establishment of Jan-Aushadhi Kendra in the Sheikh Bhikhari Medical College Hospital Campus Hazaribag
2	Name and address of tender Inviting Authority	Deputy Development Commissioner, Collectorate Building, Hazaribag
3	Period of Work	03 Years (36 months)
4	Invitation of RFP	18/09/2026
5	Last Date of receiving queries	26/09/2026
6	Pre – Bid Meeting	29/09/2026
7	Authority response to queries latest by	06/10/2026
8	Last dated of Online Bid Submission (Bid due date)	15/10/2026 till 1300 hrs IST
9	Last Date/Place and Time of Submission of Hard Copy of Bid as per Bid Clause no 2.14.1.1	23/10/2026 till 04:00 PM at Superintendent, Sheikh Bhikhari Medical College Hospital, Hazaribag, 825301
10	Opening of Technical bid	27/10/2026 1500hrs IST
11	Letter of Award (LOA) [within 30 days of bid due date]	Within 30 days of Bid finalization
12	Validity of bids	120 days from Bid due date
13	Signing of Tripartite Agreement [within 30 days of award of LOA]	Within 30 days of LOA
14	Bid and other fees	As per direction given in the bid documents
15	Tender Opening Place	Superintendent Office, Sheikh Bhikhari Medical College Hospital, Hazaribag

Note – 1. Tender will be accepted only e-tender. However Submission of hard copy is compulsory.
2. For details of tender terms, condition & other pls. website www.jharkhandtenders.gov.in from 18/09/2026
Letter no 1893 Dated 10/09/2026

Drug Inspector Hazaribag. | Superintendent, SBMCH, Hazaribag | Deputy Development Commissioner, Hazaribag

PR 389511 Health Med Edu and Family Welfare (26-27)#D

गोला-ओरमांझी रोड के घटिया निर्माण पर सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी नाराज, कहा-

गुणवत्ता से न हो कोई समझौता

- एनएचएआई के अधिकारियों को तलब कर रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में की बैठक

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः गिरिडीह सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी ने झारखंड में चल रहे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) अंतर्गत राजमार्गों की कार्यों को लेकर एनएचएआई के अधिकारियों को क्षेत्रीय कार्यालय में तलब किया। उन्होंने आए अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने गोला-ओरमांझी रोड की घटिया निर्माण को लेकर नाराजगी जताई। कहा कि मौजूदा बारिश के मौसम में ही जगह- जगह दरार पड़ने से घटिया निर्माण की पोल खुल गई है। यह स्पष्ट

हो गया है की गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के कार्य में अनियमितता देखी जा रही है। निर्माण कार्य के लिए जो मानक तय किया गया हैं, उसका भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गुणवत्ता बनी रहे और अनियमितता नहीं हो, इसे सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनता की सुविधाओं के लिए अंडरपास, एप्रोच रोड निर्माण कार्य में भी गुणवत्ता का ध्यान रखने को लेकर भी हिदायत किया। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक वैकल्पिक उपाय नहीं हो जाता तब तक रामगढ़ के चुटूपालू घाटी में आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटना को रोकने को लेकर एनएचएआई की गंभीरता और सक्रियता जनसाधारण में दिखना चाहिए। उन्होंने गोला से जैना मोड व अन्य संबंधित सड़कों की स्थिति पर भी अधिकारियों की क्लास लगाई व कई निर्देश दिए। उन्होंने विलंब से चल रहे कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया। समीक्षा बैठक में एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी संतोष कुमार आर्य, परियोजना निदेशक रांची विजय कुमार, परियोजना निदेशक हजारीबाग आशुतोष सोनी, परियोजना निदेशक धनबाद विशाल कुमार व अन्य संबंधित पदाधिकारी शामिल हुए।

भारत कनेक्ट पर पांच विदेशी मुद्राओं में फॉरेक्स सुविधा शुरू

मेट्रो रेज

रांचीः ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 में आरबीआई के उप-गवर्नर रोहित जैन ने भारत कनेक्ट पर मल्टी-करेंसी फॉरेक्स सुविधा का शुभारंभ किया। सॉफ्ट लॉन्च के तहत अमेरिकी डॉलर के अलावा यूरो, ब्रिटिश पाउंड, कनाडाई डॉलर, स्विस फ्रैंक और यूएई दिरहम को जोड़ा गया है। एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड (एनबीबीएल) द्वारा संचालित प्लेटफॉर्म को क्लियरकॉर्प के एफएक्स-रिटेल से एकीकृत किया गया है। ग्राहक विदेशी मुद्रा खरीदने, विदेशों में धन भेजने और फॉरेक्स कार्ड में राशि लोड करने जैसी सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच भारत कनेक्ट के जरिए फॉरेक्स लेन-देन का मूल्य 10 करोड़ रुपये से अधिक रहा। फिलहाल यह सुविधा मोबिक्विक, भीम, बॉब वर्ल्ड, पीएनबी, फेडरल बैंक, एसबीआई और एक्सिस बैंक जैसे भागीदार चैनलों से उपलब्ध होगी।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

दुबई से मप्र के युवाओं के लिए रोजगार की नई राह खोलने की तैयारी

मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था को निवेश, रोजगार और निर्यात के नए अवसरों से जोड़ने की दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा उस व्यापक रणनीति के हिस्से के रूप में देखना चाहिए, जिसमें प्रदेश को देश के भीतर निवेश के विकल्प के साथ-साथ वैश्विक निवेश मानचित्र पर एक आकर्षक गंतव्य बनाने का प्रयास दिखाई देता है। एआईएम कांग्रेस-2026 में मुख्यमंत्री की भागीदारी का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि मध्यप्रदेश अब निवेश के लिए इंतजार करने के बजाय निवेशकों तक स्वयं पहुंच रहा है।

दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित ह्लएनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंगह्ल जैसे वैश्विक मंच पर 180 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों, निवेशकों, कंपनियों और सोवरिन वेल्थ फंड्स के बीच मध्यप्रदेश की उपस्थिति राज्य की बदलती आर्थिक आकांक्षाओं को सामने रखती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों को भोपाल में होने वाली ₹ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027₹ के लिए आमंत्रित कर साफ संकेत दिया है कि मध्यप्रदेश वैश्विक पूंजी को अपने औद्योगिक और रोजगार ढांचे से जोड़ने के लिए तैयार है। इस पहल का सबसे बड़ा लाभ मध्यप्रदेश के युवाओं को मिल सकता है। किसी भी बड़े निवेश का वास्तविक अर्थ तब बनता है, जब उससे कारखाने लगें, सेवाओं का विस्तार हो, नए उद्यम खड़े हों और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार पैदा हों। नवकरणीय ऊर्जा, फार्मास्युटिकल्स, मेडिकल डिवाइस, वस्त्र, लॉजिस्टिक्स, उन्नत विनिर्माण और शहरी अधोसंरचना जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं सीधे तौर पर रोजगार के नए अवसरों से जुड़ी हैं। यही वह क्षेत्र है जहां निवेश को ₹युवा शक्ति और आर्थिक विकास के बीच सेतु₹ बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री की पहल का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष मध्यप्रदेश की स्थानीय पहचान को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। दुबई में ओडीओपी और जीआई उत्पादों की प्रदर्शनी का उद्घाटन इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है। बैतूल का बेल मेटल क्राफ्ट, अशोकनगर की चंदेरी साड़ी, महेश्वर की महेश्वरी साड़ी, उज्जैन का बाटिक प्रिंट, भोपाल की जरी-जरदोजी और ग्वालियर का कारपेट, वस्तुतः ये सिर्फ पारंपरिक उत्पाद के पीछे हजारों कारीगरों की मेहनत, स्थानीय कौशल और पीढ़ियों से चली आ रही आर्थिक परंपरा है।

यदि इन उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय खरीदार और स्थायी बाजार मिलते हैं, तो इसका प्रभाव गांव और छोटे शहरों तक पहुंचेगा। वैश्विक बाजार से जुड़ाव का अर्थ कारीगर की आय में वृद्धि, स्थानीय उत्पादन का विस्तार और युवाओं के लिए अपने ही क्षेत्र में रोजगार एवं उद्यमिता के अवसर पैदा होना है। मुख्यमंत्री की अरब संसद के अध्यक्ष मोहम्मद अहमद अल यामाही से मुलाकात भी इसी व्यापक आर्थिक कूटनीति का हिस्सा है। कृषि, व्यापार, निवेश, पर्यटन और शिक्षा में सहयोग की संभावनाओं पर बातचीत मध्यप्रदेश को पश्चिम एशिया के साथ नए आर्थिक संबंधों की दिशा में आगे ले जा सकती है। नवकरणीय ऊर्जा और फार्मास्यूटिकल्स से लेकर लॉजिस्टिक्स और उन्नत विनिर्माण तक, मध्यप्रदेश के पास ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें वैश्विक निवेश को आकर्षित करने की पर्याप्त संभावनाएं हैं। सबसे महत्वपूर्ण अवसर कृषि क्षेत्र में दिखाई देता है। दुबई और व्यापक यूएई बाजार खाद्य आयात पर काफी निर्भर है। ऐसे में मध्यप्रदेश की कृषि क्षमता को अंतरराष्ट्रीय मांग से जोड़ना राज्य के किसानों के लिए बड़ा अवसर बन सकता है। दाल, गेहूं, मक्का और सोयाबीन जैसे उत्पादों में मध्यप्रदेश की मजबूत स्थिति पहले से मौजूद है। यदि इस उत्पादन क्षमता के साथ ग्रेडिंग, पैकेजिंग, कोल्ड चेन, लॉजिस्टिक्स और फूड प्रोसेसिंग का आधुनिक ढांचा जुड़ता है, तो किसान वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है।यहीं डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा का किसान और युवा इन दोनों से संबंध स्थापित होता है। कृषि निर्यात बढ़ेगा तो प्रसंस्करण उद्योग बढ़ेंगे; प्रसंस्करण उद्योग बढ़ेंगे तो लॉजिस्टिक्स, पैकेजिंग, भंडारण और गुणवत्ता परीक्षण जैसी सेवाओं का विस्तार होगा।

ऐसे में इन क्षेत्रों में रोजगार पैदा होगा तो प्रदेश के युवाओं के लिए अवसरों का दायरा भी बढ़ेगा।लूलू ग्रुप के यूसुफ अली एम.ए. जैसे बड़े कारोबारी समूहों के साथ संवाद को इसी संदर्भ में देखना चाहिए। दूसरी ओर डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा को सिर्फ निवेशकों को आमंत्रित करने वाली यात्रा मानना इसकी व्यापक आर्थिक तस्वीर को छोटा कर देगा। वस्तुतः इसके पीछे मध्यप्रदेश को उत्पादन, निवेश, निर्यात और रोजगार का वैश्विक केंद्र बनाने की कोशिश दिखाई देती है। भोपाल में 2025 की ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में सामने आया विशाल निवेश प्रस्ताव हो, ग्वालियर का टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन हो, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी में आ रहा निवेश हो या मध्यप्रदेश के पारंपरिक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की कोशिश, वस्तुतः इन सभी को एक ही आर्थिक रणनीति की कड़ियों के रूप में देखा जा सकता है।कुल मिलाकर डॉ. मोहन यादव सरकार का यह प्रयास स्थानीय उत्पादन, किसान की आय और युवा रोजगार के एक साझा मॉडल से जोड़ने की कोशिश कर रहा है।,दुबई में मध्यप्रदेश की आवाज पहुंचना अपने आप में उपलब्धि है।

ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थी की दुविधा

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा के आधिकारिक आंकड़े इस दुविधा को किसी काल्पनिक आशंका के बजाय एक कड़वी जमीनी सच्चाई साबित करते हैं। वर्ष 2020 से 2023 तक के आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो यह विसंगति निरंतर गहरी होती दिखाई देती है।

अभिषेक शुक्ल

विगत कुछ वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। जब भी किसी बड़ी भर्ती का विज्ञापन आता है, तो एक बुनियादी सवाल लगातार चर्चा के केंद्र में रहता है–₹भाई, ईडब्ल्यूएस से फॉर्म भरें या अनारक्षित से?ह्ल यह सवाल जितना सहज प्रतीत होता है, वास्तव में उतना ही गंभीर है। यह केवल आवेदन-पत्र के किसी एक विकल्प को चुनने का मामला नहीं है, बल्कि एक युवा के भविष्य, उसकी वर्षों की तपस्या और संवैधानिक व्यवस्था पर उसके भरोसे से जुड़ा प्रश्न है। अभ्यर्थी यह जानना चाहता है कि यदि वह अनारक्षित श्रेणी के कटऑफ से अधिक अंक अर्जित करता है, तो क्या व्यवस्था उसकी योग्यता का सम्मान करते हुए उसे खुली प्रतियोगिता का हक देगी?

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा के आधिकारिक आंकड़े इस दुविधा को किसी काल्पनिक आशंका के बजाय एक कड़वी जमीनी सच्चाई साबित करते हैं। वर्ष 2020 से 2023 तक के आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो यह विसंगति निरंतर गहरी होती दिखाई देती है। वर्ष 2020 में जहां अनारक्षित वर्ग का कटऑफ 110 अंक था, वहीं ईडब्ल्यूएस का कटऑफ 112 अंक रहा। वर्ष 2021 में अनारक्षित के 115 अंकों के मुकाबले ईडब्ल्यूएस का कटऑफ 117 अंक, और 2022 में अनारक्षित के 111 अंकों की तुलना में ईडब्ल्यूएस का कटऑफ 114 अंक दर्ज किया गया। वर्ष 2023 में तो यह अंतर चार अंकों तक पहुंच गया, जहां अनारक्षित का कटऑफ 125 अंक था, जबकि ईडब्ल्यूएस के लिए यह 129 अंक तक चला गया। इन आंकड़ों का सीधा और त्रासद अर्थ यह है कि वर्ष 2023 में 126, 127 या 128 अंक हासिल करने वाला ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थी प्रारंभिक चरण में ही प्रतियोगिता से बाहर हो गया, जबकि उससे कम यानी 125 अंक पाने वाला अनारक्षित अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा लिखने का पात्र बन गया।

यहां अनारक्षित और ह्यआरक्षितह्ल की बुनियादी संवैधानिक अवधारणा को समझना आवश्यक है। आरक्षण का उद्देश्य अवसरों से वंचित वर्गों को आगे बढ़ने का मंच देना है, न कि किसी मेधावी की योग्यता की अधिकतम सीमा तय करना। अनारक्षित श्रेणी कोई अलग सामाजिक वर्ग या जाति नहीं है, बल्कि यह एक खुली प्रतियोगिता है जहाँ मेरिट में आने वाला कोई भी योग्य अभ्यर्थी स्थान पाने का हकदार है।

इस विधिक सिद्धांत को न्यायिक व्यवस्था ने समय-समय पर स्पष्ट और सुदृढ़ किया है। रजत यादव बनाम राजस्थान राज्य (उच्च न्यायालय) मामले में शीर्ष अदालत ने यह सिद्धांत दोहराया कि यदि किसी आरक्षित वर्ग का अभ्यर्थी, जिसने कोई विशेष रियायत नहीं ली है, सामान्य वर्ग के कटऑफ से अधिक अंक प्राप्त करता है, तो उसे चयन के मध्यवर्ती व प्रारंभिक चरणों में भी खुली श्रेणी की मेरिट सूची में स्थान मिलना चाहिए। उसे केवल उसकी श्रेणी के नाम पर खुली प्रतिस्पर्धा से अलग-थलग नहीं किया जा सकता। इसी प्रकार, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया बनाम शाम कृष्णा बी में भी उच्चतम न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि आरक्षण रोस्टर और नियमों का मनमाना क्रियान्वयन मेधा को नकारने का माध्यम नहीं बन सकता; मेरिट में ऊपर रहने वाला आरक्षित वर्ग का अभ्यर्थी अनारक्षित श्रेणी में समायोजित होने का पूर्ण संवैधानिक अधिकार रखता है।

यह विसंगति पीसीएस जैसी बहु-चरणीय परीक्षाओं के प्रारंभिक स्तर पर सबसे घातक साबित होती है। यद्यपि प्रारंभिक परीक्षा के अंक अंतिम चयन सूची में नहीं जुड़ते, किंतु यह मुख्य परीक्षा तक पहुँचने का निर्णायक प्रवेश-द्वार है। यदि किसी अभ्यर्थी ने आयु सीमा या शुल्क जैसी कोई रियायत नहीं ली है और उसके अंक खुली श्रेणी के कटऑफ से अधिक हैं, तो उसे प्रारंभिक स्तर पर ही खुली प्रतियोगिता से बाहर कर देना संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 में निहित नैसर्गिक न्याय और समान अवसर के सिद्धांत के विपरीत है। अंतिम चरण में समायोजन का प्रावधान ऐसे मेधावी अभ्यर्थियों के लिए व्यर्थ सिद्ध होता है, क्योंकि वे मुख्य परीक्षा की दौड़ से ही बाहर कर दिए जाते हैं।

यह विवाद केवल ईडब्ल्यूएस तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर आरक्षण के सभी वर्गों को प्रभावित करता है (जैसा कि वर्ष 2023 में ओबीसी वर्ग के 128 कटऑफ के साथ भी देखा गया)। यदि खुली सीटों पर केवल उन्हीं को प्रारंभिक प्रवेश मिलेगा जिन्होंने कोई आरक्षण क्लेम नहीं किया, तो ह्यअनारक्षितह्ल सीटें वस्तुतः ह्यबिना आरक्षण वाले वर्गह्ल के लिए आरक्षित हो जाएंगी, जिससे खुली प्रतियोगिता की मूल आत्मा ही नष्ट हो जाएगी।

ईडब्ल्यूएस श्रेणी की पात्रता आर्थिक स्थिति से तय होती है, किंतु परीक्षा हॉल में उत्तर-पुस्तिका का मूल्यांकन अभ्यर्थी की आर्थिक पृष्ठभूमि देखकर नहीं, बल्कि उसके ज्ञान और प्रदर्शन के आधार पर होता है। कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि किसी मेधावी छात्र के बेहतर प्रदर्शन की सीमा नहीं बननी चाहिए। जैसा कि न्यायशास्त्र का स्थापित नियम है–आरक्षण एक सुरक्षा-कवच है, प्रतिभा की छत नहीं।

प्रतियोगी परीक्षाओं में व्यवस्था का सिद्धांत पारदर्शी और न्यायसंगत होना चाहिए–आरक्षण कमजोर को सहारा देने के लिए है, मेधावी के अवसर छीनने के लिए नहीं। ईडब्ल्यूएस होना किसी अभ्यर्थी की प्रतिभा का दायरा सीमित नहीं करता; यदि उसमें क्षमता है, तो खुली प्रतियोगिता का द्वार उसके लिए भी उतना ही खुला होना चाहिए जितना किसी अनारक्षित प्रतियोगी के लिए।

(लेखक, इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अधिवक्ता हैं। यह उनके निजी विचार हैं।)

हर निराश मन को चाहिए एक भरोसेमंद कंधा

दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सेकंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते है

योगेश कुमार गोयल

दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सेकंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। आत्महत्या रोकथाम दिवस 2026 की थीम है ह्यआत्महत्या पर दृष्टिकोण बदलनाह्ल। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है। हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया है कि वर्ष 2024 में देश में 170746 आत्महत्या दर्ज की गई जबकि 2023 में कुल 171418 लोगों ने आत्महत्या की थी। वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या करने वालों की यह संख्या 170924 जबकि 2021 में 164033 थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं। जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक मानसिक तनाव, निराशा, अकेलेपन, असफलता, पारिवारिक कलह, आर्थिक संकट या किसी गहरे भावनात्मक आघात से जूझता है तो उसकी सोचने-समझने और परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। ऐसे में अवसाद, निराशा और असहायता की भावना धीरे-धीरे इतनी गहरी हो सकती है कि व्यक्ति को अपने सामने मौजूद समस्याओं से बाहर निकलने का कोई रास्ता दिखाई नहीं देता। यही वह संवेदनशील अवस्था है, जिसमें कुछ लोग आत्महत्या के विचारों से घिर सकते हैं। आत्महत्या केवल एक व्यक्ति की असामयिक मृत्यु नहीं होती बल्कि उसके परिवार, मित्रों और व्यापक सामाजिक परिवेश पर भी लंबे समय तक गहरा भावनात्मक प्रभाव छोड़ती है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि आत्महत्या को केवल अवसाद का परिणाम मानना उचित नहीं है। अवसाद आत्महत्या के जोखिम को बढ़ाने वाला एक महत्वपूर्ण कारक जरूर है लेकिन आत्महत्या का व्यवहार प्रायः अनेक परिस्थितियों के जटिल मेल से उत्पन्न होता है। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के साथ-साथ आर्थिक कठिनाइयां, संबंधों में टूटन, पारिवारिक तनाव, सामाजिक अलगाव, हिंसा, नशे की समस्या, गंभीर बीमारी, शैक्षणिक अथवा रोजगार संबंधी दबाव और अचानक घटित कोई गहरा संकट भी व्यक्ति को मानसिक रूप से तोड़ सकता है। कई बार बाहरी तौर पर सामान्य दिखाई देने वाला व्यक्ति भी भीतर से गहरे संघर्ष से गुजर रहा होता है। इसलिए आत्महत्या की रोकथाम का पहला कदम व्यक्ति को कमजोर या असफल समझना नहीं बल्कि उसकी पीड़ा को गंभीरता से समझना है। संकट में घिरे व्यक्ति को उपदेश से अधिक सुनने वाला कान, निर्णय सुनाने के बजाय सहानुभूति और अकेला छोड़ने के बजाय भरोसेमंद साथ चाहिए। परिवार, मित्र, शिक्षक और सहकर्मी यदि व्यवहार में आए अचानक बदलाव, निराशा, सामाजिक दूरी या असहायता के संकेतों को समय रहते पहचानें और व्यक्ति को मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करें तो संकट को गंभीर रूप लेने से रोका जा सकता है। आत्महत्या रोकथाम का वास्तविक अर्थ यही है, मौत के विचार से पहले उम्मीद का रास्ता दिखाई देना। मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हेल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसिलिंग की मांग की जा सकती है। इसके अलावा भी कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है। लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाकर भी आत्महत्या जैसे मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। किसी भी व्यक्ति के मन में आत्महत्या का विचार आए ही नहीं, ऐसा वातावरण तैयार करना परिवार के साथ-साथ समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

साझी संस्कृति की अनूठी ऐतिहासिक यात्रा

नंदा राजजात का धार्मिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्त्व है। यह यात्रा रहस्य और रोमांच से भरपूर है। 9वीं सदी में गढ़वाल के तत्कालीन राजा ने यह यात्रा शुरू की। तब से यह धार्मिक यात्रा हर 12 वर्ष के बाद आयोजित की जाती है। हालांकि, सन 1905 से 2014 के बीच अब तक केवल सात बार यह यात्रा आयोजित की गई। यात्रा में 280 किलोमीटर तक बर्फीले रास्तों और कठिन रास्तों से होकर अंतिम पड़ाव रूप कुंड (होमकुंड) में पहुंचा जाता है। खास बात यह कि यात्रा की अगुवाई चार सींगों वाला भेड़ (चौसिंग्या खाडू) करता है। इस यात्रा को एशिया की सबसे लंबी और कठिन पैदल धार्मिक यात्रा माना जाता

है। उत्तराखंड देवभूमि में मां नंदा केवल देवी नहीं, बल्कि पहाड़ की विवाहित बेटी (ध्याण) के रूप में मान्यता रखती हैं।

नंदा राजजात महज यात्रा नहीं, बल्कि विशुद्ध रूप से धार्मिक और आध्यात्मिक यात्रा है। यह अपनी ध्याणी (विवाहिता बेटी) को मायके से ससुराल (कैलाश पर्वत) विदा करने का अनूठा और भावुक लोक-उत्सव है। प्रतिवर्ष भाद्रपद मास में नंदा-जात (छोटी जात) आयोजित होती हैं। लेकिन नंदादेवी राजजात तय समय में परंपरा और शास्त्रों के अनुसार ही आयोजित की जाती है।

280 किमी का कठिन-निर्जन सफर

उत्तराखंड राज्य के सीमांत जनपद चमोली के नौटी गांव से शुरू होकर यात्रा उच्च हिमालय क्षेत्र होमकुंड पर ठहरती है। समुद्र की गहराई से 17,500 फीट की ऊंचाई तक जाने वाली यह यात्रा 20 दिनों में पूरी होती है। पैदल और कड़ाके की ठंड। श्रद्धालु कड़ाके की ठंड, घने जंगलों, खड़ी चट्टानी चढ़ाइयों और ऑक्सीजन की कमी वाले रास्तों से गुजरते हैं।

रिंगाल से बनती पवित्र छंतोली

राजजात की अगुवाई के लिए रिंगाल (विशेष प्रजाति का पहाड़ी बांस) से बनी एक छतरी बनाई जाती है। इसे छंतोली कहा जाता है। स्थानीय मान्यतानुसार इसको मां नंदा का प्रतीक मानकर पूरे रास्ते अत्यंत श्रद्धा से ले जाया जाता है। इसको लेकर जाने वालों को पूरे नियम और संयम का पालन करना होता है।

यात्रा से पहले दो धार्मिक आयोजन

नंदादेवी राजजात आयोजन से पहले दो प्रमुख धार्मिक आयोजन होते हैं। इसमें एक मोडवी और दूसरा मनौती।

मोडवी उत्सव में स्थानीय क्षेत्रपाल और उफराई देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। मोडवी के बाद चौसिंग्या मेड़ा के उत्पन्न होने की सूचना राजकुंवरों को विधिवत रूप से दी जाती है। इसके बाद राजकुंवर मां नंदा से मनौती मांगते हैं। इसके बाद राजकुमारों द्वारा मां नंदा से मनौती मांगी जाती है।

चौसिंग्या खाडू (चार सींगों वाली भेड़)

इस यात्रा में चार सींगों वाला नर भेड़ (चौसिंग्या खाडू) केंद्र में होता है। लोक-मान्यता है कि जब 12 साल बाद राजजात का समय आता है, तो चांदपुर गढ़ी क्षेत्र के किसी भी गांव में चार सींगों वाला भेड़ जन्मता है। जो चौसिंग्या खाडू मान्यता और शास्त्रों के अनुरूप खरा उतरता है, उसका चयन किया जाता है। चौसिंग्या खाडू के चयन का अधिकार कासवा गांव, चांदपुर क्षेत्र और राजवंशी कुंवरों के पास है। इसके बाद राजकुंवरों द्वारा मां से मनौती मांगी जाती है। चौसिंग्या खाडू बिना किसी रस्सी या किसी सहायता के यात्रा की अगुवाई करते हुए 280 किलोमीटर तक स्वयं रास्ता दिखाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

पीएम श्री प्लस टू उच्च विद्यालय विजैया के छात्र छात्राओं को मिली साइकिल

बरही : पीएम श्री प्लस टू उच्च विद्यालय के 85 छात्र छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया। इस मौके पर मुख्यअतिथि जिला परिषद के उपाध्यक्ष किशुन यादव एवं विशिष्ट अतिथि उपप्रमुख देवलाल कुशवाहा शामिल थे। समारोह के दौरान विद्यालय के कुल 85 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया। मुख्यअतिथि किशुन यादव ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि साइकिल मिलने के बाद अब ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए विद्यालय पहुंचने में दूरी बाधा नहीं बनेगी। इससे विद्यार्थियों का समय बचेगा और पढ़ाई के प्रति उनका उत्साह बढ़ेगा। उन्होंने छात्रों को निरंतर आगे बढ़ने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष संतोष कुमार और संचालन प्रधानाध्यापक मो फारूक आलम ने किया। इस अवसर पर शिक्षक राकेश कुमार, राजेंद्र प्रसाद आर्य, वेद प्रकाश, कुलदीप राणा, रवींद्र किशोर वर्मा, तपेश्वर राम, रोशन कुमार प्रसाद, बसंत नारायण, शिक्षिका सुनीता किरण, अभय कुमार सिंह सहित विद्यालय परिवार के सदस्य व छात्र-छात्राएं मौजूद थे।ह्व

मालगाड़ी की चपेट में एक अज्ञात व्यक्ति की मौत, जांच में जुटी पुलिस

साहिबगंज : मालदा रेल मंडल अंतर्गत साहिबगंज रेलवे स्टेशन के निकट गुरुवार को मालगाड़ी की चपेट में आने से एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गयी। घटना की जानकारी मिलते ही जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि साहिबगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक और दो के बीच एक अज्ञात व्यक्ति मालगाड़ी की चपेट में आ गया ।जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। घटना के बाद रेल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। थाना प्रभारी के अनुसार, मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। शव को सदर अस्पताल स्थित मर्चरी में सुरक्षित रखा गया है। जीआरपी मृतक की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटा रही है। पहचान होने के बाद ही घटना से संबंधित आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाढ़ प्रभावित विद्यालय शुक्रवार और शनिवार को बन्द रहेंगे

साहिबगंज : अधिशासी अभियंता केंद्रीय जल आयोग निचली गंगा मंडल दो पटना के पत्रांक निगम 2 पटना मेट 8 /2026 ई-मेल संख्या 102 जो 10 सितंबर के अनुसार साहिबगंज जिले में गंगा नदी खतरे के निशान से लगभग 1.42 मीटर ऊपर बह रही है आज शुक्रवार 11 के प्रातः 06:00 बजे तक जलस्तर में 05 सेंटीमीटर की वृद्धि होने की संभावना है। ऐसी परिस्थिति में साहिबगंज जिला के वैसे सरकारी व निजी विद्यालय जो गंगा नदी के किनारे अवस्थित हैं जो बाढ़ से प्रभावित हैं। वह अध्ययनरत छात्र छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं के जान-माल की सुरक्षा की दृष्टि से बाढ़ प्रभावित विद्यालय शुक्रवार और शनिवार को बन्द रहेंगे।बाढ़ प्रभावित विद्यालयों के प्रधाना ध्यापक प्रभारी प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया जाता है कि इस आदेश का अनुपालन करना सुनिश्चित करेंगे।

कस्तूरबा विद्यालयों में रिक्त सीटों पर नामांकन प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश

साहिबगंज : उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय साहिबगंज में रिक्त सीटों पर नामांकन को लेकर बैठक आयोजित की गई।बैठक में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय मंडरो में कक्षा 6 में रिक्त सीटों के विरुद्ध नामांकन हेतु प्राप्त 21 आवेदनों तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बोरियो में कक्षा 11 में रिक्त सीटों के विरुद्ध नामांकन हेतु प्राप्त 3 आवेदनों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उपायुक्त ने निर्देशित किया कि चयनित छात्राओं की सूची का शीघ्र अनुमोदन सुनिश्चित करते हुए नामांकन प्रक्रिया को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने विद्यालयों में छात्राओं के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाएं सुरक्षित व अनुकूल शैक्षणिक वातावरण तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।उन्होंने कहा कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का उद्देश्य बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर उनके शैक्षणिक एवं सर्वांगीण विकास के अवसर प्रदान करना है। अतः नामांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता और निर्धारित मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी नयन कुमार जिला शिक्षा अधीक्षक श्रीमती उर्मिला हांसदा सहित संबंधित विद्यालयों की वार्डन उपस्थित थीं।

हजारीबाग शहर और ग्रामीण इलाकों में शुरू हुई दुर्गा पूजा की तैयारी

हजारीबाग : जिले में भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की जनमाष्टमी पर्व के साथ ही आगामी शरदीय महालया व दुर्गापूजा को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई है। हजारीबाग शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक में दुर्गापूजा की तैयारियां युद्ध स्तर पर शुरू हो चुकी हैं।

परंपरा के अनुसार जन्माष्टमी के पवित्र अवसर पर शहर बड़ा बाजार दुर्गापूजा समिति, बिहारी दुर्गा पूजा समिति, शिव शक्ति दुर्गापूजा समिति मटवारी, बंगाली दुर्गा स्थान, नुरा, ओकनी, हुरुहुरु, कोर्रा लाखे, यशवंत नगर, खपरियावां, सिरसी,कानी बाजार, रामनगर,नवाडीह सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों में पूजा समितियों द्वारा पंडाल निर्माण के लिए काठ पूजन और भूमि पूजन का कार्य विधिवत रूप से आरंभ कर दिया गया है। इस बार पिछले साल की तुलना में शहर में अधिक भव्य और आकर्षक पंडाल खड़े करने की योजना पर काम चल रहा है। कई प्रमुख पूजा समितियों ने बंगाल और अन्य बाहरी क्षेत्रों के अनुभवी कलाकारों को आमंत्रित किया है, जो अपनी कला के माध्यम से मनमोहक पंडालों का निर्माण करेंगे। समितियों द्वारा अपने निर्धारित बजट के भीतर ही बेहतरीन थीम और कलाकृतियों पर विचार किया जा रहा है, ताकि आने वाले श्रद्धालुओं को एक अनूठा और अलौकिक अनुभव मिल सके।

विशेष आकर्षण होगी इस बार की लाइटिंग (रोशनी) आयोजकों के अनुसार इस साल की पूजा का मुख्य आकर्षण भव्य प्रकाश व्यवस्था (लाइटिंग) होगी। शहर के मुख्य मार्गों, चौक-चौराहों और पूजा पंडालों के आसपास अत्याधुनिक और आकर्षक एलईडी लाइटिंग की विशेष योजना बनाई जा रही है, जो शहर की खूबसूरती में चार चांद लगाएगी। सुरक्षा और प्रशासनिक गाइडलाइंस को ध्यान में रखते हुए कमेटियां अभी से ही ट्रैफिक नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन के पुख्ता इंतजामों पर मंथन कर रही हैं।

कटिहार में चोरी के मामले में सात गिरफ्तार साहिबगंज की 15 लाख की चोरी से जुड़ रहे तार

इकरा कॉलोनी में दिनदहाड़े हुई थी डीसीपीयू कार्यालय के अकाउंटेंट के घर चोरी सीसीटीवी फुटेज में लाल टीशर्ट पहने किशोर कैद

संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के मजहर टोला स्थित इकरा कॉलोनी में 13 अगस्त को डीसीपीयू कार्यालय के अकाउंटेंट के घर दिनदहाड़े हुई करीब 15 लाख रुपये के जेवरात चोरी की घटना के तार अब कटिहार में हुई एक चोरी के मामले से जुड़ते नजर आ रहे हैं। कटिहार पुलिस द्वारा चोरी के मामले में सात आरोपियों की गिरफ्तारी और लाखों रुपये के आभूषण बरामद किये जाने के बाद साहिबगंज पुलिस भी पूरे मामले की कड़ियां जोड़ने में जुट गयी है।

जानकारी के अनुसार 13 अगस्त को अज्ञात चोरों ने इकरा कॉलोनी स्थित अकाउंटेंट के घर को निशाना बनाते हुए करीब 15 लाख रुपये के जेवरात की चोरी कर ली थी। चोरी की पूरी घटना मकान मालिक के पास उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज में कैद है। फुटेज में लाल टीशर्ट पहना एक किशोर घर से चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद निकलता दिखाई देता है।

सूत्रों के अनुसार, चोरी के बाद उक्त किशोर मोबाइल फोन पर बात करते हुए सीधे साहिबगंज रेलवे स्टेशन पहुंचा था। करीब 12 बजे वह स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर पहुंचा जहां पहले से एक व्यक्ति और एक महिला बैठे हुए थे। किशोर ने दोनों से बातचीत की और कुछ सामान उन्हें दिया। इसके बाद तीनों एक श्री-व्हीलर से मुख्य मार्ग होते हुए महादेवगंज की ओर रवाना हुए।सूत्रों की मानें तो इसके बाद किशोर गंगा पार कर नाव के रास्ते कटिहार पहुंचा और चोरी का सामान अपने साथ ले गया। हालांकि इन सभी तथ्यों की पुलिस स्तर से आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। साहिबगंज पुलिस अब उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल डंप रिपोर्ट और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच करेगी।कटिहार की चोरी के बाद फिर सक्रिय हुई जांच कटिहार पुलिस ने सहायक थाना क्षेत्र के इमरजेंसी कॉलोनी में 2 सितंबर की रात हुई चोरी के मामले का उद्भेदन करते हुए एक विधि-विरुद्ध बालक सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 29.317 ग्राम सोना जैसा पदार्थ, 258.182 ग्राम चांदी जैसे आभूषण, तीन जोड़ी पायल, दो चांदी की चूड़ी, छह मोबाइल फोन, 20,700 रुपये नकद तथा ज्वेलर्स की प्राप्ति रसीद समेत अन्य सामान बरामद किया है।कटिहार पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में अरुण शाह, चन्दन कुमार, सन्नी कुमार, संतोष सावंत, प्रशांत कुमार उर्फ बुलबुल, अंशु उर्फ मो. आसिफ और इंदुल फातिमा उर्फ रिमझिम शामिल हैं। एक विधि-विरुद्ध बालक को भी पकड़ा गया है। मामला सहायक थाना कांड संख्या 1014/26 से संबंधित है।कटिहार में हुई गिरफ्तारी और बरामदगी की जानकारी सामने आने के बाद साहिबगंज पुलिस ने 13 अगस्त की चोरी के मामले की जांच को भी नए सिरे से आगे बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस पुराने सीसीटीवी फुटेज के साथ ही मोबाइल डंप रिपोर्ट और अन्य तकनीकी साक्ष्यों को एकत्रित कर रही है। इसके बाद पुलिस की टीम कटिहार जाकर गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और बरामद सामान तथा फुटेज का मिलान कर सकती है।फुटेज का मिलान होने पर खुल सकता है मामला

जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि साहिबगंज की घटना में प्राप्त फुटेज और कटिहार में चोरी के मामले में गिरफ्तार आरोपियों से जुड़ी जानकारी प्रथम दृष्टया मिलती-जुलती प्रतीत हो रही है। इसकी पुष्टि के लिए कटिहार जाकर जांच करना आवश्यक है। फुटेज और अन्य साक्ष्यों का मिलान करने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।वहीं इकरा कॉलोनी निवासी अजहर हसन ने बताया कि कटिहार में हुई चोरी की घटना से संबंधित फुटेज की जानकारी मिली है। साहिबगंज की घटना के सीसीटीवी फुटेज से इसका मिलान करने पर प्रथम दृष्टया इस गिरोह की संलिप्तता की आशंका प्रतीत होती है। अब पुलिस पूरे मामले की पारदर्शी तरीके से जांच कर रही है। यदि दोनों घटनाओं के बीच कड़ी की पुष्टि होती है तो 13 अगस्त की चोरी का भी जल्द उद्भेदन हो सकता है।

जिला प्रशासन पूरी तत्परता संवेदन शीलता के साथ प्रभावित लोगों के साथ खड़ा है : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : जिले में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर एवं उत्पन्न बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दुबे ने आज विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, राहत सामग्री के वितरण लोगों की आवश्यकताओं की जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने हर प्रसाद रामपुर दुर्गा टोला, बलुआ टोला सहित अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर जमीनी स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया।उपायुक्त ने मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा प्रत्येक प्रभावित परिवार तक आवश्यक सहायता समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने, आवश्यकता के अनुसार त्वरित कार्रवाई करने तथा आमजनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।उपायुक्त ने कहा कि बाढ़ की चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में जिला प्रशासन पूरी तत्परता संवेदनशीलता के साथ प्रभावित लोगों के साथ खड़ा है। राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों एवं प्रशासनिक टीमों को समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि बाढ़ प्रभावित लोगों की सुरक्षा, सुविधा एवं आवश्यक सहायता की उपलब्धता जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन द्वारा स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है तथा आवश्यकता के अनुरूप राहत एवं बचाव कार्यों को और सुदृढ़ किया जा रहा है।निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारीक अमर जॉन आईन्द सहित संबंधित पदाधिकारी कर्मी एवं राहत-बचाव दल के सदस्य उपस्थित रहे।

जिला युवा कांग्रेस की कार्यकारिणी बैठक

संगठन की मजबूती व युवाओं की भागीदारी पर हुई चर्चा

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : जिला युवा कांग्रेस कमेटी साहिबगंज की कार्यकारिणी बैठक पूर्व मंत्री आलमगीर आलम साहब के पैतृक आवास इस्लामपुर में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती युवाओं की भागीदारी और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कुमार गौरव व झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव डॉ.तनवीर आलम उपस्थित रहे।वहीं युवा कांग्रेस पाकुड़ विधानसभा प्रभारी सह प्रदेश महासचिव लक्ष्मी कान्त व युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव बिक्की कुमार सहित युवा कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।बैठक के दौरान संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने और अधिक से अधिक युवाओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने पर जोर दिया गया।नेताओं ने कार्यकताओं से एकजुट होकर संगठन हित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।बैठक मे जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान, प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू,प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास, नबीद अंजुम, दिलदार आलम,रबीउल इस्लाम अख्तरूल सहित युवा कांग्रेस के विभिन्न पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फिरौती के लिए ठेकेदार समेत दो का अपहरण

विष्णुगढ़ (हजारीबाग) : विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के खरना पंचायत निवासी ट्रांसमिशन लाइन ठेकेदार पंचम महतो और फीटर रामलाल हांसदा का हथियारबंद अपराधियों ने फिरौती के लिए अपहरण कर लिया।

दोनों का अपहरण टाटीझरिया थाना क्षेत्र के पानिमाको गांव के समीप जंगल से बुधवार की शाम किया गया। पुलिस के दबाव में करीब 20 घंटे बाद गुरुवार को अपहरणकर्ता दोनों को मायापुर जंगल के पास छोड़कर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, पंचम महतो और रामलाल हांसदा बुधवार दोपहर बाद बाइक से खरना स्थित अपने घर से किसी काम के सिलसिले में गोरहर जाने के लिए निकले थे। पानिमाको गांव के पास जंगल के रास्ते में हथियारबंद लोगों ने उनकी बाइक रोक ली और दोनों को अपने साथ ले गए। देर शाम अपहरणकताओं ने ठेकेदार के मोबाइल से परिजनों को फोन कर दो लाख रुपये फिरौती की मांग की। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। हजारीबाग एसपी अमन कुमार के निर्देश पर पुलिस ने तत्काल छापेमारी टीम गठित की। टीम में विष्णुगढ़ एसडीपीओ फौजान अहमद, विष्णुगढ़ थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर सुभाष सिंह, टाटीझरिया थाना प्रभारी इंद्रजीत कुमार, गोरहर थाना प्रभारी सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की। तकनीकी टीम की भी मदद ली गई। पुलिस की बढ़ती दबिश के बीच गुरुवार करीब 11 बजे अपहरणकर्ता दोनों को मायापुर जंगल के पास सुरक्षित छोड़कर भाग निकले। सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनों को बरामद कर लिया। गुरुवार को टाटीझरिया थाना में अपहरण का मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही थी।

युवाओं और छात्रों की आवाज को लाठी के दम पर दबाया जा रहा है : सीता सोरेन

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड आंदोलन के महानायक दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन के साथ कंधा से कंधा मिलाकर आंदोलन को धार देने वाले स्व. दुर्गा सोरेन की जयंती गुरुवार को शहर के लोहड़ा स्थित दुर्गा सोरेन सेना के जिला कार्यालय में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई।कार्यक्रम में जामा विधायक सीता सोरेन बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं।जबकि अध्यक्षता दुर्गा सोरेन सेना की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजश्री सोरेन ने की।कार्यक्रम का शुभारंभ स्व.दुर्गा सोरेन स्व.शिबू सोरेन और दिव्यांशु कुमार सोनू के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर

किया गया।इससे पूर्व विधायक सीता सोरेन ने कार्यकताओं के साथ सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक पहुंचीं। जहां कार्तिक साह विकास मंडल अंगद दास व संजय साह ने रक्तदान किया।सीता सोरेन ने रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाया।रक्तदान के बाद जिला कार्यालय लौटकर ग्रामीणों के साथ बैठक किया।उन्होंने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। हमने रक्तदान कर दुर्गा सोरेन सेना को सिंचा है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सीता सोरेन ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला।उन्होंने हाल में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की घटना की कड़ी निंदा करते हुए इस सरकार की दमनकारी नीति करार दिया।उन्होंने कहा कि जिस राज्य को आंदोलनकारियों ने अपने खून-पसीने से सींचा है। जबकि युवाओं और छात्रों की आवाज को लाठी के दम पर दबाया जा रहा है।अब झारखंड की जनता को दूसरा विकल्प चुनना होगा।इस अवसर पर डॉ मोहन मुर्मू के आलावे दुर्गा सोरेन सेना के कई जिला पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

छात्रों के सम्मान में भाजपा ने साहिबगंज में उपयुक्त और एसपी कार्यालय घेरा

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड के छात्रों के अधिकार,सम्मान और उनके भविष्य की रक्षा की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव के नेतृत्व में साहिबगंज में उपयुक्त और एसपी कार्यालय घेराव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकताओं छात्र-युवाओं एवं आम नागरिकों ने भाग लेकर सरकार के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया।जनआंदोलन में झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी,राजमहल के पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा व बोरियो के पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने जेपीएससी व जेएसएससी सहित प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष एवं सीबीआई जांच,छात्रों के हितों की रक्षा तथा छात्र आंदोलन के दौरान दर्ज मामलों को वापस लेने की मांग को प्रमुखता से उठाया।बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड के युवाओं और छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।छात्रों की जायज मांगों को दबाने के बजाय सरकार को उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए।भाजपा छात्रों और युवाओं के अधिकारों की लड़ाई को पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ाएगी।अनंत कुमार ओझा ने कहा कि झारखंड के छात्र और युवा अपने अधिकारों के लिए सड़क पर उतरने को मजबूर

हैं।परीक्षाओं में अनियमितता और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ को भाजपा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। छात्रों की आवाज को दबाने के लिए मुकदमे दर्ज करना समाधान नहीं है। सरकार को छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव ने कहा कि साहेबगंज की धरती से आज छात्रों और युवाओं की आवाज को बुलंद किया गया है।भाजपा का यह आंदोलन किसी व्यक्ति या दल के खिलाफ नहीं,बल्कि छात्रों के अधिकार, परीक्षा में पारदर्शिता और युवाओं के सुरक्षित भविष्य के लिए है।जब तक छात्रों को न्याय नहीं मिलता, भाजपा उनकी आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी।कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री कृष्णा महतो,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश प्रसाद तिवारी, कृपानाथ मंडल, धर्मेन्द्र कुमार, रामानंद साह,मंडल मुर्मू,जिला प्रभारी अमृत कुमार पांडेय, पूर्व जिला अध्यक्ष रणधीर सिंह, प्रदीप अग्रवाल, उज्जवल मंडल, राजेश मंडल,राजीव चौधरी, महामंत्री शलखु सोरेन, सभी जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्षगण, ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ता, विद्यार्थी एवं युवा साथी तथा हजारों की संख्या में आमजन उपस्थित रहे।जुलूस प्रभारी अनंत कुमार सिन्हा,एवम संचालन शिवम शर्मा ने किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं और छात्र-युवाओं ने एकजुट होकर सरकार से छात्रों के हित में तत्काल ठोस कदम उठाने और उनकी मांगों पर न्यायपूर्ण कार्रवाई करने की मांग की।भाजपा नेताओं ने कहा कि युवा शक्ति की यह हुंकार आने वाले समय में झारखंड की दिशा और दशा बदलने का कार्य करेगी।

यूएस ओपन: सबालेंका ने पेगुला को सीधे सेटों में हराया, लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचीं

एजेंसी

न्यूयॉर्क : शीर्ष वरीय बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। सबालेंका ने आर्थर ऐश स्टेडियम में गुरुवार को तीसरी वरीय पेगुला को 7-5, 6-2 से शिकस्त दी और लगातार चौथे वर्ष खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।

सबालेंका इस जीत के साथ लगातार तीसरी बार यूएस ओपन खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को भी बरकरार रखने में सफल रहीं। हालांकि, खिताब जीतने की स्थिति में भी वह दुनिया की नंबर एक रैंकिंग बरकरार नहीं रख पाएंगी और उनकी जगह एलेना राइबाकिना शीर्ष स्थान हासिल करेंगी। 28 वर्षीय सबालेंका ने मुकाबले में सात ऐस समेत 29 विनर्स लगाए। उनकी ताकतवर ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने पेगुला लगातार दबाव में रहीं। सबालेंका अब शनिवार को होने वाले फाइनल में दूसरी वरीय

राइबाकिना और चौथी वरीय कोको गॉफ के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से भिड़ेंगी। सबालेंका ने जीत के बाद कहा, ह्लमैं बेहद खुश हूं कि मैं इस तरह का टेनिस खेल सकी। मैं जीत के लिए बेताब थी। मैं इसे बहुत बुरी तरह जीतना चाहती थी।

पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार सर्विस की और मुकाबला बेहद कड़ा रहा। सबालेंका पेगुला की सर्विस के खिलाफ ज्यादा मौके नहीं बना पा रही थीं और उनकी निराशा भी नजर आई। हालांकि, उन्होंने अपना ध्यान बनाए रखा। 5-6 के स्कोर पर सर्विस कर रहीं पेगुला 0-40 से पिछड़ गईं। उन्होंने एक सेट प्वाइंट बचाया, लेकिन अगला मौका नहीं बचा सकीं। सबालेंका ने जोरदार सर्विस रिटर्न से अंक पर नियंत्रण बनाया और पेगुला के फोरहैंड नेट में जाने के साथ पहला सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में सबालेंका ने पेगुला की कमजोर दूसरी सर्विस को निशाना बनाया। उन्होंने 3-1 की बढ़त हासिल करने के लिए ब्रेक लिया और इसके बाद लगातार दबाव बनाए रखा। मैच प्वाइंट पर जोरदार फोरहैंड के साथ एक और ब्रेक हासिल कर उन्होंने मुकाबला अपने नाम कर लिया। पेगुला के लिए यह एक और ग्रैंड स्लैम निराशा रही। वह 2024 के यूएस ओपन फाइनल में भी सबालेंका से हार गई थीं, जो उनके करियर का अब तक का एकमात्र ग्रैंड स्लैम फाइनल था। पिछले वर्ष भी वह सेमीफाइनल में सबालेंका से ही हारकर बाहर हुई थीं। सबालेंका ने मार्च में इंडियन वेल्स और मियामी में लगातार खिताब जीतने के बाद गर्मियों में अपेक्षाकृत धीमा प्रदर्शन किया है। इसी दौरान राइबाकिना को अक्टूबर 2024 से चली आ रही सबालेंका की नंबर एक रैंकिंग की बादशाहत खत्म करने का मौका मिला। सबालेंका अब क्रिस एवर्ट और सेरेना विलियम्स के बाद लगातार तीन यूएस ओपन खिताब जीतने वाली केवल तीसरी महिला खिलाड़ी बनने से एक जीत दूर हैं।

बांग्लादेश को 40 रन से हराकर भारत 10वीं बार एशिया कप फाइनल में

एजेंसी

दुबई : भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 40 रन से हराकर 2026 महिला एशिया कप के फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ भारत ने टूनामेंट के फाइनल में 10वीं बार प्रवेश किया है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 149 रन बनाए। टीम की ओर से शेफाली वर्मा ने सर्वाधिक 64 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 40 गेंदों का सामना करते हुए सात चौके और तीन छक्के लगाए। इसके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 24, ऋचा घोष ने 21, प्रतिका रावल ने 20 और दीप्ति शर्मा ने 13 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना केवल दो रन बना सकीं,

जबकि भारती फुलमाली बिना खाता खोले रन आउट हो गईं। बांग्लादेश की ओर से सुल्ताना खातून ने दो विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने लगातार विकेट गंवाती रही और 20 ओवर में सात विकेट पर 109 रन ही बना सकी। शोर्ना अख्तर ने 22 रन बनाकर टीम की ओर से सबसे बड़ी पारी खेली। उनके अलावा दिलारा अख्तर ने 21, कप्तान निगरा सुल्तान ने 19 और शोभना मोस्तरी ने 18 रन बनाए। भारत की गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा सबसे प्रभावी रहीं। उन्होंने तीन विकेट लेकर बांग्लादेश की रन गति पर अंकुश लगाए रखा।

अब भारतीय टीम की नजरें खिताबी मुकाबले में अपना शानदार अभियान पूरा कर एशिया कप ट्रॉफी जीतने पर होंगी।

अली गोनी के साथ ब्रेकअप की अफवाहों पर बोलीं जैस्मिन भसीन ?

जैस्मिन भसीन और अली गोनी एक बार फिर अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में हैं। दोनों के ब्रेकअप की अफवाहें शुरू हो गई। इन पर अब जैस्मिन भसीन ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर चुप्पी तोड़ी है।

अभिनेत्री जैस्मिन भसीन और अली गोनी लंबे वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों की जोड़ी काफी पसंद की जाती है। इस बीच अचानक इनके ब्रेकअप के कयास लगने लगे। दरअसल, जैस्मिन के एक 'आई एम इनफ' टैटू वाली पोस्ट के बाद ऐसी अफवाहों ने जोर पकड़ा। ब्रेकअप की खबरों पर अब जैस्मिन ने रिएक्शन दिया है। अभिनेत्री जैस्मिन ने ब्रेकअप की रूमर्स पर लोगों को आड़े हाथों लिया है। साथ ही जिस पोस्ट की वजह से ऐसी खबरों ने जोर पकड़ा, उस पर भी सफाई दी है। जैस्मिन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने लिखा है, 'मेरी जिंदगी में जो कुछ भी है, वह हर चीज मेरे रिलेशनशिप को लेकर कोई क्रिप्टिक मैसेज नहीं होता है। कई बार एक महिला सिर्फ यूं ही अपने बारे में बात कर रही होती है'।

बोलीं- 'चिल करो गाइज'

जैस्मिन ने आगे कहा, 'हैरानी की बात है कि कई बार चीजों को कैसे घुमा-फिरा दिया जाता है और कपल की तस्वीरों का इस्तेमाल ऐसे करते हैं, ताकि ज्यादा लोग उन्हें देखें। चिल करो गाइज'।

'पठान हूं...

चाहो तो गोली मार दो

शाहरुख ने अंडरवर्ल्ड के सामने झुकने से किया था इनकार, सिर उड़ाने की मिली धमकी

बॉलीवुड पर अंडरवर्ल्ड के घने साये के बारे में हर कोई जानता है। कैसे स्टार्स को माफियाओं के फोन आते थे, ये सबके पता है। शाहरुख खान से जुड़ी एक घटना के बारे में हाल ही में पता चला है, जब उन्होंने अंडरवर्ल्ड के सामने घुटने टेकने से मना कर दिया था। शाहरुख खान उस समय मशहूर हुए जब बॉलीवुड पर अंडरवर्ल्ड का साया था। फिल्म स्टार्स को अक्सर धमकियां दी जाती थीं और उनसे मांगें की जाती थीं, और शाहरुख भी इससे अछूते नहीं थे। हाल ही में एक इंटरव्यू में, फिल्ममेकर संजय गुप्ता ने बताया कि कैसे शाहरुख ने झुकने से इनकार कर दिया और उनसे कहा कि अगर वे चाहें तो 'बस मुझे गोली मार दें'।

'हुसैन जैदी फाइल्स' पॉडकास्ट के दौरान गुप्ता ने बताया, 'फिल्म इंडस्ट्री में शाहरुख खान ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें जब धमकी दी गई तो उन्होंने कहा, 'मैं वह फिल्म या शो कभी नहीं करूंगा, मैं एक पठान हूं, अगर आप चाहें तो मुझे गोली मार दें'। मैं आपसे डरता नहीं हूं, लेकिन मैं आपके साथ काम नहीं करूंगा और न ही आपके लिए शो करूंगा। उन्होंने असल में उनका सम्मान हासिल किया। उन्हें भी शायद लगा होगा कि कम से कम एक व्यक्ति तो ऐसा है।'

शाहरुख ने बताया सबकुछ

हालांकि, इन घटनाओं के बाद शाहरुख तीन साल तक कड़ी सुरक्षा और पुलिस प्रोटेक्शन के साये में रहे। कॉमेडियन और एक्टर रूबी वैक्स के साथ एक पुराने इंटरव्यू में, शाहरुख खान ने 1990 के दशक में मिली धमकियों के बारे में भी बात की थी।

फिल्म 'जिस्म' के बोल्ड सीन पर बोलीं बिपाशा

बताया लोगों ने क्या दी थी नसीहत

बिपाशा बसु ने अपने करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक 'जिस्म' के बारे में काफी कुछ कहा। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने उन्हें इस फिल्म में अभिनय न करने की सलाह दी थी। अभिनेत्री बिपाशा बसु बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री रही हैं। उनकी फिल्म 'जिस्म' को दर्शकों ने काफी प्यार दिया था। मगर एक्ट्रेस ने एक बातचीत में खुलासा किया है कि इंडस्ट्री के अनुभवी लोगों ने उन्हें यह फिल्म न करने की सलाह दी थी।

बिपाशा ने फिल्म 'जिस्म' पर क्या कहा?

एक्ट्रेस बिपाशा बसु ने बातचीत में कहा, ' जब मेरे पास यह फिल्म आई तो उस वक्त फिल्मी दुनिया से जुड़े लोगों ने मुझे इस फिल्म में काम न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अगर मैंने फिल्म में बोल्ड सीन्स दिये तो इससे मेरे करियर पर बुरा असर पड़ेगा। यह भी हो सकता है कि मुझे आगे फिल्में न मिलें।'

इस सुझाव पर क्या था एक्ट्रेस का जवाब?

बिपाशा बसु ने आगे अपनी बातचीत में बताया कि इन सुझावों को सुनने के बाद उन्होंने अपना तर्क रखा। एक्ट्रेस ने उन सभी लोगों से कहा, 'मैं एक व्यस्क हूं। यह फिल्म भी एक व्यस्क प्रेम कहानी पर आधारित है। यह बच्चों के लिए नहीं है।' बिपाश ने बताया कि फिल्म में सोनिया का किरदार ऐसा था जिसमें वह खुद को ढाल सकती थीं और यह फिल्म करने में उन्हें काफी मजा आया।

बॉक्स ऑफिस पर हिट हुई फिल्म

फिल्म 'जिस्म' बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी हिट साबित हुई। फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 8.14 करोड़ का कारोबार किया था। वहीं वर्ल्डवाइड इसने 13.14 करोड़ की कमाई की थी। उस समय नए अभिनेताओं की फिल्म का इतना कलेक्शन करना बड़ी बात थी।

Bigg Boss 20:

बादशाह से अलगाव पर ईशा रिखी को सलमान ने दी मूव ऑन करने की सलाह, बोले-

सबके ब्रेकअप होते हैं

पंजाबी एक्ट्रेस ईशा रीखी की 'बिग बॉस 20' के घर में धमाकेदार एंट्री ने हर किसी का ध्यान खींच लिया है. रैपर बादशाह से तलाक की खबरों की पुष्टि करने के ठीक कुछ दिनों बाद शो में पहुंचीं ईशा ने अपने अलगाव का दर्द बयां किया. वहीं, शो के होस्ट और बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने ईशा का हौसला बढ़ाया और पुरानी बातें भूलकर जिंदगी में आगे बढ़ने की सलाह दी. सुपरस्टार सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' का आगाज 6 सितंबर को हो चुका है. इस शो में रैपर बादशाह की एक्स वाइफ ईशा रिखी ने बतौर कंटेस्टेंट एंट्री ली है. प्रीमियर के दौरान पंजाबी एक्ट्रेस ईशा रिखी ने बादशाह से अपने अलगाव को लेकर पहली बार खुलकर बात की. उन्होंने शो के मंच पर खुलासा किया कि उनका भरोसा टूटा था, जिसके चलते उन्हें रिश्ते को खत्म करने का कड़ा कदम उठाना पड़ा. बातचीत के दौरान सलमान खान ने उन्हें मूव ऑन करने की सलाह दी. 'बिग बॉस 20' के मंच पर ईशा ने दर्द बयां करते हुए कहा कि बादशाह के साथ हुए इस कड़वे अनुभव ने उन्हें अंदर तक पूरी तरह बदलकर रख दिया है. शो के मंच पर ईशा ने दर्द बयां करते हुए कहा, 'मैंने शादी करने और अपना घर बसाने की पूरी कोशिश की थी, लेकिन जिंदगी के कुछ अनुभव आपको हमेशा के लिए बदल देते हैं.

चंकी पांडे ने शेयर किया मजेदार किस्सा, बोले-

जीनत अमान की फिल्म देखने के लिए बुर्का पहनकर थिएटर गए थ

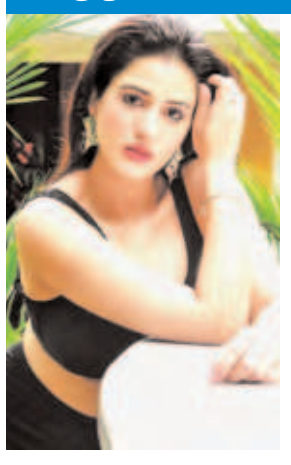

अभिनेता चंकी पांडे ने डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' सीजन 5 के सेट पर अपनी टीनएज की एक मजेदार याद शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि वे मशहूर एक्ट्रेस जीनत अमान की फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' को बड़े पर्दे पर देखने के बुर्का पहनकर थिएटर गए थे। अभिनेता चंकी पांडे ने सेट पर याद किया कि कैसे उन्होंने सिनेमा हॉल में घुसने और उनकी 1978 की फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' को देखने के लिए बुर्का पहना था। चंकी ने यह किस्सा डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' सीजन 5 में शेयर किया, जहां जीनत अमान एक स्पेशल गेस्ट के तौर पर आती हैं। अपनी टीनएज और एक्टर के उन पर पड़े असर को याद करते हुए चंकी ने कहा कि वह सिर्फ 15 वर्ष के थे, जब उन्होंने बार-बार 'सत्यम शिवम सुंदरम' देखने की कोशिश की, जो उस समय एक एडल्ट-रेटेड फिल्म थी। उन्होंने कहा, 'जीनत, आपको पता है कि मैं पहली बार लड़की भी आपकी वजह से बना, भगवान कसम। आपकी जो फिल्म लगी थी 'सत्यम शिवम सुंदरम,' वो एक एडल्ट फिल्म थी। तब मैं 15 वर्ष का था, तब भी मैंने सिनेमा थिएटर में जाने के लिए तीन-चार बार कोशिश की, लेकिन हमेशा मुझे बाहर फेंक देते थे। फिर अंत में मैंने बुर्का पहन के चला गया। ' इस एपिसोड में कोरियोग्राफर और आईबीडी जज टेरेंस लुईस भी फैशन पर जीनत के असर को याद करेंगे। उनके आइकॉनिक लुक के बारे में बात करते हुए टेरेंस ने उनके पीले सनग्लासेस और उनके आसान स्टाइल को याद किया। टेरेंस ने कहा, 'जीनत, जो आपने पीला सनग्लासेस पहना था, मैं उसे नहीं भूल सकता। यह बहुत सिंपल, लेकिन बहुत स्ट्राइकिंग था और आप बहुत बढ़िया लग रही थीं। मुझे लगता है कि पूरा फैशन उस सेफ जोन में वापस आ गया है और वे बड़े सनग्लासेस जिसे आपको इस तरह स्टाइल किया था। जीनत ने यह भी बताया कि यह स्ट्राइकिंग लुक उन्होंने खुद बनाया था। इसके अलावा, जीनत ने काठमांडू में 'सत्यम शिवम सुंदरम' की शूटिंग की यादें भी ताजा कीं। उन्होंने सेट पर जबरदस्त माहौल और गाने की शूटिंग के दौरान इकट्ठा होने वाली लोकल लोगों की बड़ी भीड़ को याद किया।

नेपाल में बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण के लिए 7.23 लाख करोड़ रुपये की जरूरत का अनुमान

एजेंसी

काठमांडू : पिछले माह 26 अगस्त को तिब्बत से भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से हुए नुकसान के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना के लिए 7.23 लाख करोड़ नेपाली रुपये की जरूरत होने का अनुमान लगाया गया है। सरकार की रैपिड डैमेज एंड नीड्स असेसमेंट (आडीएनए) रिपोर्ट के अनुसार, भोटेकोशी बाढ़ से क्षतिग्रस्त भौतिक बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए 7 खरब 23 अरब 31 करोड़ 52 लाख रुपये की आवश्यकता होगी।

अब तक 1,377 लोगों की जान ले चुकी इस विनाशकारी बाढ़ ने रसुवा, नुवाकोट और धादिंग समेत कई क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है। बाढ़ में लोगों के घर, खेत, कारोबार, सड़कें, पुल, ड्राई पोर्ट, मालवाहक कंटेनर और सीमा नाके पर पहुंचे वाहन तक बह गए। राष्ट्रीय योजना आयोग और राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण समेत विभिन्न निकायों की संयुक्त तकनीकी टीम ने यह प्रारंभिक आकलन तैयार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आपदा से सबसे ज्यादा प्रभावित बुनियादी ढांचा क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए 4 खरब 3 अरब 57 करोड़ 19 लाख रुपये की जरूरत होगी, जो कुल पुनरुद्धार आवश्यकता का करीब 75 प्रतिशत है। ऊर्जा क्षेत्र को सबसे ज्यादा नुकसानः बाढ़ से ऊर्जा और सड़क बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा है। 759 मेगावाट क्षमता वाली 13 जलविद्युत परियोजनाएं और 24 मेगावाट क्षमता के 5 सौर संयंत्र प्रभावित हुए हैं। ऊर्जा और ग्रिड प्रणाली के पुनरुद्धार के लिए अकेले 3 खरब 90 अरब 62 करोड़ 30 लाख 40 हजार रुपये की आवश्यकता होने का अनुमान है। इसी तरह 69 किलोमीटर सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। 33 मोटरेबल पुल बह गए, जबकि चार पुलों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के 64 झूला पुलों में से 53 क्षतिग्रस्त हुए हैं। पूरे परिवहन बुनियादी ढांचे के पुनरुद्धार के लिए 73 अरब 34 करोड़ 29 लाख 60 हजार रुपये की जरूरत होगी। 7,570 निजी घर क्षतिग्रस्तः बाढ़ ने सामाजिक और उत्पादन क्षेत्रों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा और चितवन में 7,570 निजी घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके अलावा 48 सरकारी भवन, 18 स्कूल, 7 स्वास्थ्य संस्थान और 30 सांस्कृतिक विरासत स्थल प्रभावित हुए हैं। इन क्षेत्रों के पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना के लिए 1 खरब 3 अरब 54 करोड़ 99 लाख रुपये की जरूरत होगी। व्यापार, व्यवसाय, बैंकिंग और कृषि समेत उत्पादक क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए 50 अरब 77 करोड़ 49 लाख रुपये की आवश्यकता होने का अनुमान है। इस क्षेत्र में 1,806 हेक्टेयर कृषि फसल, 17 बैंक शाखाएं और 4,800 व्यावसायिक प्रतिष्ठान प्रभावित हुए हैं। पांच जिलों के 15 प्रभावित स्थानीय निकायों में से केवल नुवाकोट के विदुर नगरपालिका क्षेत्र में 3,026 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। रिपोर्ट में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और नदी प्रबंधन के लिए 94 अरब 75 करोड़ 31 लाख रुपये, जबकि कीचड़ और मलबा प्रबंधन के लिए 51 करोड़ 54 लाख रुपये की जरूरत बताई गई है। दो चरण में होगा पुनर्निर्माणः रिपोर्ट के अनुसार पुनर्निर्माण को दो चरणों में बांटा गया है। अगले छह महीनों में तत्काल राहत और अल्पकालीन पुनर्निर्माण के लिए 8 अरब 73 करोड़ 50 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। वहीं दीर्घकालीन पुनर्निर्माण के लिए 7 खरब 14 अरब 58 करोड़ 2 लाख रुपये की आवश्यकता होगी। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण के वरिष्ठ डिविजनल इंजीनियर और समिति के सदस्य सुशील कुमार श्रेष्ठ ने बताया कि संबंधित मंत्रालयों, विभागों और निकायों से आंकड़े और विवरण जुटाकर उनका विश्लेषण किया गया है। इसके आधार पर नुकसान और पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक संसाधनों की प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की गई है। पीडीएनए प्रक्रिया शुरू, तीन महीने में रिपोर्ट आने की उम्मीदः सरकार ने आपदा के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना के लिए पोस्ट-डिजास्टर नीड्स असेसमेंट (पीडीएनए) प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। राष्ट्रीय योजना आयोग ने इसकी प्रक्रिया आगे बढ़ा दी है। आयोग के प्रवक्ता हरिशरण पुडासैनी के अनुसार, करीब तीन महीने में पीडीएनए रिपोर्ट तैयार हो सकती है।

संवेदनशीलता की मिसाल, जब सरकारी गाड़ी छोड़ नंगे पांव ही ग्राउंड जीरो पर उतरीं डीएम अलंकृता पांडे

भागलपुर : गंगा के बढ़ते जलस्तर ने भागलपुर जिले में बाढ़ की भीषण त्रासदी ला खड़ी की है। संकट के इस दौर में जहां आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो चुका है, वहीं प्रशासनिक संवेदनशीलता की एक बेहद सकारात्मक तस्वीर भी सामने आई है। जिले की जिलाधिकारी अलंकृता पांडे ने दफ्तर के बंद कमरों और आरामदायक कुर्सियों को छोड़कर सीधे बाढ़ की विभीषिका झेल रहे लोगों के बीच पहुंचने का फैसला किया है। उनके इस मानवीय और जुझारू रुख की पूरे जिले में खूब सराहना हो रही है। उल्लेखनीय है कि बाढ़ के कारण जिले की 86 से अधिक पंचायतों में हाहाकार मचा हुआ है। नवगछिया, शाहकुंड और भागलपुर के शहरी इलाकों सहित कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से पूरी तरह कट चुका है। सामान्य वाहनों का इन इलाकों में जाना नामुमकिन हो गया है। लेकिन इन बाधाओं को दरकिनार करते हुए डीएम अलंकृता पांडे खुद ग्राउंड जीरो पर उतरीं। जहां सड़कें पानी में डूब चुकी थीं, वहां उन्होंने ट्रैक्टर को अपनी सरकारी गाड़ी बनाया और जहां पानी और गहरा था, वहां वह नंगे पांव कमर तक पानी में घुसकर पीड़ितों तक सहायता पहुंचाने निकल पड़ीं। उनके साथ शाहकुंड की अंचलाधिकारी (सीओ) हर्षा कोमल भी इस मुहिम में कंधे से कंधा मिलाकर डटी रहीं। डीएम अलंकृता पांडे ने सिर्फ प्रभावित इलाकों का ऊपरी मुआयना नहीं किया, बल्कि पानी के बीच फंसे परिवारों के पास जाकर खुद उनकी समस्याएं सुनीं। प्रशासनिक टीम के साथ लगातार निगरानी करते हुए उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि राहत सामग्री और बुनियादी जरूरतें हर प्रभावित व्यक्ति तक बिना किसी देरी के पहुंचें। वहीं शाहकुंड की अंचलाधिकारी हर्षा कोमल शाहकुंड प्रखंड के खुलनी, पैरडो मोमिन्या माल, बेलथू, खैरा, मकंदपुर और दरियापुर जैसी अत्यधिक प्रभावित पंचायतों में प्रशासनिक टीम ने खुद पहुंचकर लोगों का ढांढस बंधाया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने मौके पर ही अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़े और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आपदा की इस घड़ी में कागजी खानापूर्ति के बजाय राहत कार्य धरातल पर दिखने चाहिए। अधिकारी का इस तरह मुश्किल रास्तों को पार कर अपने बीच पहुंचना ग्रामीणों के लिए महज एक प्रशासनिक दौरा नहीं, बल्कि इस संकट काल में जीने का एक बड़ा हौसला बन गया है। प्रशासनिक गलियारों में इस बात की चर्चा आम है कि पद चाहे कितना भी बड़ा हो, लेकिन लोगों के दिलों में जगह संवेदनशीलता से ही बनती है। जब सरकारी जिम्मेदारी में इंसानियत की गर्माहट शामिल हो जाती है, तो प्रशासन महज एक व्यवस्था न रहकर जनता का अटूट भरोसा बन जाता है। अलंकृता पांडे ने आपदा के इस दौर में एक बेहतरीन मिसाल कायम की है कि कैसे एक शीर्ष अधिकारी को संकट के समय अपनी जनता के साथ अग्रिम मोर्चे पर खड़े होना चाहिए। यह कदम न केवल सराहनीय है, बल्कि अन्य लोकसेवकों के लिए भी एक बड़ी प्रेरणा है।

राजस्थान में आज फिर सक्रिय होगा मानसून, नौ जिलों में यलो अलर्ट

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान में बारिश का दौर थमने के बाद एक बार फिर मानसून सक्रिय होने जा रहा है। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के असर से शुक्रवार से प्रदेश में बारिश का नया दौर शुरू होने की संभावना है। मौसम विभाग ने आज नौ जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के अनुसार राज्य में 15 सितंबर तक बारिश का दौर जारी रह सकता है। पूर्वी और दक्षिणी राजस्थान में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना जताई गई है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में मौसम साफ रहा। गुरुवार को अधिकांश शहरों में दिनभर तेज धूप खिली रही, जिसके चलते तापमान में बढ़ोतरी हुई। राज्य के 10 से अधिक शहरों में अधिकतम तापमान 35 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिलानी में दिन का सबसे अधिक तापमान 40 डिग्री सेल्सियस मापा गया, जबकि श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 39.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने राज्य में अगले दो सप्ताह का पूवार्नुमान जारी किया है। इसमें 24 सितंबर तक प्रदेश में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना जताई गई है। हालांकि पूर्वी और दक्षिणी राजस्थान में बारिश का दौर चलने के संकेत हैं। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों में यलो अलर्ट जारी करते हुए मौसम में बदलाव के प्रति सतर्क रहने का संकेत दिया है। मानसून की दोबारा सक्रियता से प्रदेश के बारिश की प्रतीक्षा कर रहे क्षेत्रों में राहत की उम्मीद जगी है। हालांकि बारिश का प्रभाव जिलेवार अलग-अलग रह सकता है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार अगले कुछ दिनों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री होगी फिल्म 'हनुमान अंश' : मुख्यमंत्री साय

एजेंसी

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने फिल्म 'हनुमान अंश' को छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री करने की घोषणा की है। गुरुवार को देर रात राजधानी रायपुर के जोरा मॉल स्थित सिनेमाघर में सपरिवार फिल्म देखने के बाद उन्होंने यह घोषणा की। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मंत्रिपरिषद के सदस्य तथा विभिन्न निगम-मंडल एवं आयोगों के अध्यक्ष भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत और संत परंपरा पर आधारित प्रेरणादायी फिल्मों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि फिल्म को टैक्स फ्री किए जाने से प्रदेश के अधिकाधिक दर्शकों, विशेषकर युवाओं को भारत की समृद्ध संत परंपरा और उसके जीवन मूल्यों को जानने और समझने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि भारत की संत परंपरा ने सदैव समाज को सत्य, सेवा, करुणा, प्रेम और आध्यात्मिकता का मार्ग दिखाया है। नीम करौली बाबा का जीवन इसी महान परंपरा का प्रेरक उदाहरण है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नीम करौली बाबा ने अपने सरल जीवन और सहज वचनों से प्रेम, सेवा और भक्ति का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को सकारात्मक दिशा देने में सक्षम हैं। साय ने फिल्म के निमार्ता, निर्देशक, कलाकारों और पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में विचार, संस्कार और प्रेरणा पहुंचाने का भी प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों पर आधारित सकारात्मक फिल्में नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उल्लेखनीय है कि 'हनुमान अंश' फिल्म नीम करौली बाबा के जीवन, उनकी आध्यात्मिक यात्रा तथा सेवा और भक्ति के संदेश पर आधारित है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, गिरावट के साथ ट्रेड कर रहे हैं सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली : कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण घरेलू शेयर बाजार भी आज शुरूआती कारोबार के दौरान गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में और गिरावट आ गई। हालांकि सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इन दोनों सूचकांकों की स्थिति में सुधार होने लगा। रिकवरी शुरू होने के बावजूद पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.70 प्रतिशत और निफ्टी 0.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 593.43 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,309.16 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण यह सूचकांक फिसल कर 74,160.16 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि सुबह 10 बजे से थोड़ी देर पहले खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 520.67 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,381.92 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

ईडी का बैंक धोखाधड़ी के दो केस में सात राज्यों में छापा

नई दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज बैंक धोखाधड़ी और ऋण के कथित दुरुपयोग से जुड़े दो मामलों में बिहार, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना में कई जगह छापा मारा है। ईडी के पटना जोनल कार्यालय ने बिहार के गया स्थित रामनंदी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स लिमिटेड से जुड़े मामले में पीएमएलए की धारा 17 के तहत गया, गुरुग्राम और नई दिल्ली में नौ जगह छापा मारा है। कोलकाता जोनल कार्यालय ने ओडिशा के एआरएसएस समूह और एएमआर/एएमआरएल समूह से जुड़े प्रवर्तकों तथा संबंधित संस्थाओं के ठिकानों पर कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में दबिश दी है। ईडी दोनों मामलों में कथित तौर पर बैंक ऋण में धोखाधड़ी, धन के दुरुपयोग, ऋण की अदायगी में अनियमितता और लेनदेन के जरिए धन को इधर-उधर करने की जांच कर रहा है। पटना जोनल कार्यालय रामनंदी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स लिमिटेड के बैंक धोखाधड़ी मामले की जांच कर रहा है। कंपनी गया में संचालित है और अखौरी गोपाल तथा उनके बेटों निशांत और नितेश के नियंत्रण में है। जांच के दौरान एजेंसी को पता चला कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह ने कंपनी को करीब 85 करोड़ रुपये का ऋण दिया था। आरोप है कि इसमें से करीब 58 करोड़ रुपये को फर्जी या जाली परियोजना पूर्णता रिपोर्ट के आधार पर दूसरी जगह भेज दिया गया। ये रिपोर्ट कंपनी के चार्टर्ड अकाउंटेंट की ओर से उपलब्ध कराए जाने की बात जांच में सामने आई है। ईडी के अनुसार, उक्त ऋण के लिए अखौरी गोपाल और उनके परिवार के सदस्यों ने बैंकों को व्यक्तिगत गारंटी भी दी थी। संबंधित समूह की एक अन्य इकाई की देनदारी के बदले पांच संपत्तियां टाटा मोटर्स लिमिटेड के पास गिरवी या बंधक रखी गई थी। जांच एजेंसी के मुताबिक, इन संपत्तियों को गिरवी या बंधक रखे जाने के बावजूद हाल में बेच दिया गया। बिक्री दस्तावेजों में इन संपत्तियों का मूल्य कथित तौर पर वास्तविक मूल्य से काफी कम दिखाया गया और बिक्री की रकम को नकद प्राप्ति के रूप में दर्ज किया गया।

मुख्यमंत्री ने की मतदान की अपील, बोले—नगर के विकास और उज्ज्वल भविष्य के लिए जरूर करें वोट

जयपुर : राजस्थान में नगर निकाय चुनाव-2026 के द्वितीय चरण के मतदान के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों से अपने मताधिकार का अवश्य प्रयोग करने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रदेशवासियों से घरों से निकलकर मतदान केंद्रों पर पहुंचने और अपने नगर के विकास एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए मतदान करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रत्येक मत नगर के विकास, बेहतर सुविधाओं और उज्ज्वल भविष्य की नींव को मजबूत करता है। ऐसे में मतदान के दिन सभी नागरिक अपने मत का प्रयोग जरूर करें। उन्होंने विशेष रूप से पहली बार मतदान करने जा रहे युवाओं से पूरे उत्साह के साथ लोकतंत्र के पर्व में शामिल होने का आग्रह किया। साथ ही युवाओं से अपने परिवार, मित्रों और परिचितों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में मतदाताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। नगर निकाय चुनाव में प्रत्येक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर अपने नगर के भविष्य को बेहतर बनाने में योगदान दे सकता है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से मिलकर मतदान करने और लोकतंत्र के इस महापर्व को सफल बनाने का आह्वान किया।

मप्र : इंदौर में दो दिवसीय यात्री परिवहन विजन समिट आज से, जुटेंगे देशभर के एक्सपर्ट और निजी बस ऑपरेटर

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश की यात्री परिवहन व्यवस्था को स्मार्ट, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए आज (शुक्रवार) से इंदौर में दो दिवसीय यात्री परिवहन विजन समिट-2026 आयोजित की जा रही है। समिट में पीपीपी मॉडल, एआई आधारित रूट प्लानिंग, ग्रीन मोबिलिटी, एकीकृत टिकटिंग और यात्री सुरक्षा जैसे मुद्दों पर देशभर के विशेषज्ञ और उद्योग प्रतिनिधि मंथन करेंगे। जनसंपर्क अधिकारी सुनील वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समिट का शुभारंभ करेंगे। इस समिट में निजी बस ऑपरेटरों, नीति-निमार्ताओं, परिवहन विशेषज्ञों, देशभर के राज्य परिवहन उपक्रमों, आईटी कंपनियों और उद्योग जगत के प्रतिनिधि एक मंच पर जुटेंगे और मध्यप्रदेश की यात्री परिवहन व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाने के लिए रणनीति और सुझाव साझा करेंगे। उन्होंने बताया कि समिट का प्रमुख केंद्र ह्यमुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवाह्न होगी। ह्यनई सोच, नई राह, नया मध्यप्रदेशह्न विजन के साथ आयोजित इस समिट का उद्देश्य मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमपीवाईपीआईएल) के माध्यम से जन-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल, आधुनिक आईटी प्रणालियों और हरित ऊर्जा आधारित परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र को गति देना है। परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह भी समिट में शामिल होंगे। जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव समिट के दौरान इंडस्ट्री एक्सपो का उद्घाटन करेंगे। एक्सपो में बस निमार्ताओं, आईटी कंपनियों, वित्तीय संस्थानों और परिवहन क्षेत्र से जुड़े अन्य उद्योगों के साथ प्रदेश के विभिन्न शासकीय निगमों द्वारा अपनी गतिविधियों, तकनीकी समाधानों और नवाचारों का प्रदर्शन किया जाएगा। इससे परिवहन क्षेत्र में निवेश, तकनीक और नई साझेदारियों की संभावनाओं को भी बढ़ावा मिलेगा। समिट में ईलेट्स टेक्नोमीडिया द्वारा संकलित समिट की स्मारिका का विमोचन किया जाएगा।

श्रीलंका में ग्रेनेड हमले में दो बच्चों की मौत

कोलंबो : श्रीलंका के पश्चिमी प्रांत के कोलंबो जिले के देहिवला माउंट लाविनिया के कावडान में आज सुबह सिरिसंगाबो रोड पर स्थित एक घर पर हुए हैंड ग्रेनेड हमले में दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने एक बच्चे की आयु 10 वर्ष और दूसरे की 14 वर्ष बताई है। द मिरर अखबार के अनुसार, पुलिस ने बताया कि 10 साल के बच्चे की मौत कलुबोविला टीचिंग हॉस्पिटल में भर्ती होने के कुछ ही देर बाद हो गई, जबकि उसके 14 साल के भाई की मौत इलाज के दौरान हुई। इस धमाके में उनके 52 साल के पिता और दो अन्य बच्चे भी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें भी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि पिता का इलाज चल रहा है। ग्रेनेड हमले के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

विनोबा भावे की जयंती पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दी श्रद्धांजलि

कोलकाता : मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को भूदान आंदोलन के प्रणेता, मानवाधिकार और अहिंसा के समर्थक तथा भारतरत्न आचार्य विनोबा भावे की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने समाज माध्यम पर संदेश जारी कर विनोबा भावे के योगदान और आदर्शों को याद किया। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि विनोबा भावे के विचार आज भी शांति, समानता, अहिंसा और मानवीय मूल्यों की दिशा में समाज को प्रेरित करते हैं। विनोबा भावे का जन्म 11 सितंबर 1895 को महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र के गगोड़े गांव में हुआ था। बचपन से ही आध्यात्मिक चिंतन और समाज सेवा के प्रति उनका झुकाव था। 1916 में वे महात्मा गांधी के संपर्क में आए और उनके विचारों से प्रभावित होकर स्वतंत्रता आंदोलन तथा रचनात्मक कार्यों से जुड़ गए। गांधीजी ने उन्हें ह्यविनोबाह्न नाम दिया। 1951 में तेलंगाना के पोचमपल्ली से उन्होंने भूदान आंदोलन की शुरूआत की। उन्होंने भूमिहीन लोगों के लिए जमीन दान करने का आह्वान किया। इसके बाद उन्होंने करीब 65 हजार किलोमीटर की पदयात्रा कर देशभर में भूदान और ग्रामदान का संदेश फैलाया। उनके प्रयासों से लाखों एकड़ भूमि दान में मिली। विनोबा भावे ने भगवद्गीता सहित कई महत्वपूर्ण ग्रंथों की रचना और अनुवाद किया। वे स्वयं को मूलतः शिक्षक मानते थे। 15 नवंबर 1982 को पवनार आश्रम में उनका निधन हुआ।

शुभेंदु की चेतावनी के बाद कार्रवाई, बागेश्वर धाम प्रमुख की तस्वीर जलाने के आरोप में कांग्रेस नेता गिरफ्तार

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की विधानसभा में दी गई चेतावनी के अगले ही दिन पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तस्वीर जलाने के आरोप में कांग्रेस नेता को गिरफ्तार कर लिया। भवानीपुर थाने की पुलिस ने दक्षिण कोलकाता जिला कांग्रेस के महासचिव अतनु दास को शुक्रवार तड़के टॉलीगंज स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री इस महीने की शुरूआत में कोलकाता आए । इस दौरान उन्होंने दुर्गापूजा के दौरान मांसाहारी भोजन करने को लेकर टिप्पणी की थी। उनके बयान को लेकर राज्यभर में विवाद खड़ा हो गया । यहां तक कि भाजपा के कई नेताओं ने भी धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की टिप्पणी से असहमति जताई। इसी के विरोध में कांग्रेस नेताओं ने भवानीपुर थाने के सामने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तस्वीर जलाकर प्रदर्शन किया था। इस कार्यक्रम का नेतृत्व अतनु दास ने किया था।

सराफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सराफा बाजार में सोना आज 1,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह सराफा बाजार में हाजिर चांदी की कीमत में आज 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की जोरदार उछाल आया है।

भाव में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 2,55,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,520 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,55,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

झारखंड की महिला किसानों को जल्द मिलेगी बड़ी सौगात, समेकित खेती से बढ़ेगी आय

संवाददाता

रांची : राज्य सरकार महिला किसानों को जल्द ही एक खास योजना की सौगात देने जा रही है। 'महिला किसान खुशहाली योजना' के नाम से शुरू होने वाली योजना के संबंध में गुरुवार को नेपाल हाउस स्थितनेपाल हाउस मंत्रालय के सभागार में एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभाग के सचिव अबु बकर सिदिक, विशेष सचिव एवं सभी निदेशक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

समेकित खेती को बढ़ावा देने पर जोर

बैठक में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने योजना के स्वरूप, लाभार्थियों के चयन, समेकित खेती के मॉडल, सरकारी सहायता, लाभुक अंशदान तथा योजना को आगामी दिनों में मंत्रिपरिषद के समक्ष प्रस्तुत करने को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि महिला किसान खुशहाली योजना राज्य की महिला किसानों के लिए एक फ्लैगशिप योजना बनने जा रही है। कुछ दिनों पूर्व राज्य स्तर पर विभिन्न संस्थाओं, विशेषज्ञों एवं महिला किसानों के साथ बैठक कर उनके सुझाव और अनुभव लिए गए थे। उन्हीं सुझावों के आधार पर समेकित खेती को केंद्र में रखते हुए इस योजना को तैयार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर योजना के विभिन्न पहलुओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है और जल्द ही इसे मंत्रिपरिषद के समक्ष स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। कृषि मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का स्पष्ट निर्देश है कि राज्य में समेकित खेती को बढ़ावा दिया जाए और किसानों की आय एवं आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जाए। महिला किसानों को इस अभियान से जोड़ते हुए उन्हें खेती के साथ पशुपालन, मत्स्य पालन एवं बागवानी जैसी गतिविधियों से जोड़ना योजना का प्रमुख उद्देश्य है।

एक एकड़ में समेकित खेती का

पूरा मॉडल

महिला किसान खुशहाली योजना के तहत फिलहाल एक एकड़ भूमि को आधार बनाकर समेकित कृषि प्रणाली विकसित करने की योजना है। इसके अंतर्गत आवश्यकता एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार बकरी पालन, सूअर पालन, बत्तख पालन, गाय पालन, मछली पालन तथा हॉर्टिकल्चर जैसे कई गतिविधियों को एक ही मॉडल में शामिल किया जा सकेगा।

वैज्ञानिक एवं आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग के साथ ऐसा मॉडल विकसित करने की तैयारी है, जिसमें एक एकड़ भूमि पर कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, बागवानी और अन्य संबद्ध गतिविधियों का बेहतर समन्वय हो और महिला किसान को एक ही इकाई से सालों भर आय के विभिन्न स्त्रोत उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

कृषि मंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा फिलहाल तीन-चार अलग-अलग प्रकार के आईएफएस मॉडल तैयार किए जा रहे हैं। मॉडल को अंतिम रूप दिए जाने के बाद यह स्पष्ट होगा कि प्रत्येक मॉडल में सरकार की ओर से कितनी सहायता दी जाएगी और लाभुक महिला किसान का अंशदान कितना होगा। उन्होंने कहा कि योजना में महिला किसानों की स्वामित्व भावना और भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लाभुक का सीमित अंशदान रखा जाएगा। योजना के सफल संचालन की स्थिति में इस अंशदान को वापस किए जाने के प्रावधान पर भी विभाग विचार कर रहा है।

शुरूआत में महिला किसान होंगी लाभुक

कृषि मंत्री ने कहा कि पहले चरण में इस योजना का लाभ व्यक्तिगत महिला किसानों तक पहुंचाने का प्रस्ताव है। वर्तमान में एक लाभुक के लिए एक एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा हमारी कोशिश है कि महिला किसान केवल खेती करने वाली नहीं, बल्कि अपने खेत की पूरी आर्थिक इकाई की संचालक बनें। एक एकड़ भूमि पर समेकित खेती के माध्यम से उन्हें कृषि के साथ पशुपालन, मत्स्य पालन और बागवानी से जोड़कर आय के कई स्त्रोत उपलब्ध कराए जाएं।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि विभाग इस योजना को धरातल पर उतारने के लिए पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है। महिला किसान खुशहाली योजना को राज्य की महिला किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण और फ्लैगशिप योजना के रूप में विकसित किया जा रहा है। योजना के सभी तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं को अंतिम रूप देने के बाद इसे जल्द ही मंत्रिपरिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

भादो अमावस्या के दिन राणी शक्ति मंदिर में हुई विशेष पूजा अर्चना

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर स्थित राणी शक्ति मंदिर में भादो अमावस्या के दिन दादी की पूजा अर्चना संपन्न हुई। भादो अमावस्या के अवसर पर आज प्रातः काल से ही विशेष पूजा अर्चना एवं दादी की आरती की गई। इस अवसर भक्तजन और श्रद्धालु उपस्थित थे। मंदिर के पुजारी श्री उपाध्याय जी ने पूजा अर्चना की तथा उपस्थित भक्तजनों ने दादी से सभी के लिए सुख समृद्धि की प्रार्थना की।

पंचायतों में लगेंगे ड्राइविंग लाइसेंस कैंप, 12 सितंबर से शुरूआत

लातेहार : अब ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए लोगों को जिला परिवहन कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। जिला परिवहन कार्यालय की ओर से पंचायत स्तर पर कैंप लगाकर लर्निंग लाइसेंस और ड्राइविंग लाइसेंस डि एल से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। चंदवा, बरवाडीह और मनिका प्रखंड में पंचायतवार कैंप की तिथियां निर्धारित की गई हैं।

बरवाडीह में 330 आवेदकों का टेस्टः 12 सितंबर को छिपादोहर पंचायत सचिवालय में 87 स्वीकृत आवेदकों का डि एल टेस्ट होगा। 16 सितंबर को केड पंचायत सचिवालय में 243 आवेदकों का टेस्ट लिया जाएगा।

चंदवा में तीन जगह कैंपः 18 सितंबर को अलौदिया पंचायत सचिवालय में चकला, अलौदिया, कामता, चंदवा पश्चिमी और चंदवा पूर्वी पंचायत के आवेदकों के लिए कैंप लगेगा। 19 सितंबर को माल्हन पंचायत सचिवालय में बोदा, हुटाप, जमीरा, माल्हन और डूमारो पंचायत के आवेदकों की सुविधा के लिए कैंप होगा। वहीं 25 सितंबर को लाधुप पंचायत सचिवालय में लाधुप और बरवाटोली पंचायत के आवेदकों के लिए कैंप लगाया जाएगा।

मनिका में 334 आवेदकों का टेस्टः 28 सितंबर को नामुदाग पंचायत सचिवालय में 192 और तीन अक्तूबर को बरवैयाकला पंचायत सचिवालय में 142 स्वीकृत आवेदकों का डि एल टेस्ट लिया जाएगा। उपायुक्त संदीप कुमार ने कहा कि पंचायत स्तर पर कैंप लगाने का उद्देश्य लाइसेंस से जुड़ी सेवाओं को लोगों के नजदीक पहुंचाना है। उन्होंने आवेदकों से निर्धारित तिथि और स्थान पर समय से पहुंचकर कैंप का लाभ लेने की अपील की। साथ ही यातायात नियमों का पालन करने और वैध ड्राइविंग लाइसेंस के साथ वाहन चलाने की अपील की।

नियुक्ति घोटाले पर भाजपा का हल्लाबोल

लातेहारः नियुक्ति घोटाले को लेकर भाजपा ने राज्य सरकार पर जोरदार हमला बोला है। गुरुवार को लातेहार समाहरणालय गेट के समीप आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने मुख्यमंत्री और राज्य सरकार पर युवाओं को ठगने तथा नियुक्ति प्रक्रिया में घोटाले का आरोप लगाया। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच की मांग की।

दीपक प्रकाश ने कहा कि राज्य के नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। नियुक्ति घोटाले की जांच सीआईडी से कराने पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सीआईडी जांच के नाम पर केवल छोटे लोगों पर कार्रवाई होगी, जबकि बड़े मगरमच्छ बच जायेंगे। उन्होंने कहा कि घोटाले में शामिल दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष और समुचित जांच होनी चाहिए, ताकि पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने कहा कि सरकार अपने लोगों और जनप्रतिनिधियों को बचाने के लिए जांच की दिशा को प्रभावित कर रही है। उन्होंने मंत्री और विधायकों की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की।

भाजपा सांसद ने आंदोलन के दौरान छात्रों पर दर्ज मुकदमों को भी वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि छात्रों के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लिये जाने चाहिए। दिल्ली और उत्तर प्रदेश में छात्रों से जुड़े मामलों में मुकदमे वापस लिये जाने का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि उसी तर्ज पर झारखंड में भी छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लिये जायें।उन्होंने कहा कि सरकार को युवाओं की आवाज दबाने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए। नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी बनाकर योग्य अभ्यर्थियों को उनका अधिकार मिलना चाहिए। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष बंसी यादव, राजधानी यादव, , पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष महेश सिंह, आशीष सिंह, सरोज देवी, रिकी वर्मा ,चंद्रभूषण केसरी, शिवकेश्वर यादव समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

महिला को केरोसिन डालकर जलाने के प्रयास में आरोपी को 10 वर्ष की सजा

मेदिनीनगर : पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश राजकुमार मिश्रा की अदालत ने हत्या के प्रयास के मामले में पंडवा थाना क्षेत्र के चिल्ली बरवाडीह निवासी राहुल प्रसाद को 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर 25 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है। राशि नहीं देने पर तीन माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। मामला पंडवा थाना कांड संख्या 48/2021 से संबंधित है। अभियोजन के अनुसार, 11 जून 2021 की शाम आरोपी ने साथ रहने से इनकार करने पर पीड़िता को धमकी दी थी। इसके बाद सब्जी काटते समय उस पर केरोसिन तेल डालकर आग लगा दी, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई थी। उसका इलाज सदर अस्पताल डालटनगंज के बर्न वार्ड में कराया गया था।

अदालत ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को भारतीय दंड विधान की धारा 307 एवं 326 के तहत दोषी पाते हुए दोनों धाराओं में 10-10 वर्ष सश्रम कारावास और 25-25 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

सम्राट चौधरी ने भीम बांध ईको-पर्यटन क्षेत्र का किया भ्रमण, आदिवासी समाज की सुनी समस्याएं

समाधान को लेकर दिया निर्देश

संवाददाता

पटना : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज मुंगेर जिला के हवेली खड़गपुर प्रखंड स्थित भीम बांध ईको-पर्यटन क्षेत्र का भ्रमण किया और वहां हो रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने वहां मौजूद आदिवासी समुदाय के लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। आदिवासी समुदाय के लोग मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर काफी खुश दिखे और मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जिंदाबाद के नारे लगाए। मुख्यमंत्री ने आदिवासी समुदाय के लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। आदिवासी समुदाय के लोगों ने मुख्य रूप से सड़क, पेयजल, हाई स्कूल, सिंचाई हेतु नहर और सामुदायिक भवन आदि की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आदिवासी समुदाय के विकास के लिए तत्पर है। विकास के सारे कार्य कराए जाएंगे। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से किया गया था।कार्यक्रम का आयोजन किया कार्यक्रम में गन्ना उद्योग मंत्री सह जिला के प्रभारी मंत्री श्री संजय कुमार, पथ निर्माण मंत्री श्री कुमार शैलेंद्र, सांसद श्री अरुण भारती, विधायक श्री कुमार प्रणय, विधायक श्री मनीष कुमार, पूर्व विधायक श्री राजीव कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री आनंद किशोर, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, मुंगेर के आयुक्त श्री प्रेम सिंह मीणा, मुंगेर प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक श्री राकेश कुमार, जिलाधिकारी श्री निखिल धनराज निप्पाणीकर, पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद सहित अन्य वरीय अधिकारी और आदिवासी समुदाय के लोग उपस्थित थे।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक में 47 अभ्यावेदनों पर हुई समीक्षा

संवाददाता

लातेहार : उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आपदा से संबंधित कुल 47 अभ्यावेदनों की समीक्षा की गई। विचार-विमर्श के बाद सभी 47 अभ्यावेदनों की अनुशंसा की गई। बैठक में सड़क दुर्घटना, वज्रपात से मानव एवं मवेशियों की मौत, डोभा, नदी एवं जलाशयों में डूबने से हुई मौत तथा सर्पदंश समेत विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई। अंचल एवं अनुमंडल स्तर के पदाधिकारियों द्वारा जांच एवं सत्यापन के बाद प्राप्त प्रस्तावों को भुगतान के लिए स्वीकृति दी गई। उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा से हुई क्षति का विस्तृत आकलन कर 15 दिनों के भीतर प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों और लोगों से संबंधित जानकारी का समुचित संकलन करने तथा प्रतिवेदन में आवश्यक विवरण स्पष्ट रूप से दर्ज करने का निर्देश दिया।

बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, नगर पंचायत अध्यक्ष महेश सिंह, अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रदीप कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विकास के कार्यों में घटिया सामग्री के प्रयोग करने का आरोप

संवाददाता

सारण : खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में दीघवारा प्रखंड के अकील पूर पंचायत के मुखिया के द्वार की गयी सभी विकास के कार्य जैसे कि ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया गया है वो काफी ही घटिया सामग्री के प्रयोग से किया गया..जो कि अभी धरातल पर क्षतिग्रस्त हो चुकी है...यहां इस अकील पूर पंचायत के मुखिया और सरकारी विभागों के कर्मचारियों के साथ गाँठ से, मिली भगत से काफी घटिया निर्माण कार्य हुआ है..इनकी साठ गाँठ 5 वर्षो से चल रहा है पंचायत को विकास के नाम पर लूट खसोट का केंद्र बना दिया है...जिलाधिकारी सारण जी की इस विषय पर

घोर चुप्पी है वीडियो, सीईओ खुल के मनमानी कर रहे हैं दीघवारा ब्लाक को लूट खसोट का केंद्र बना दिया है आज भी ये ब्लॉक दलालों का केंद्र बन गया है बिना दलाली कोई कार्य सम्भव नहीं है इस दीघवारा ब्लॉक में...अधिकारियों का पूरा समर्थन है ..विकास के नाम पर खूब धांधली हो रही है...जिलाधिकारी सारण जी से अनुरोध है कि खाश कर अकील पूर पंचायत में जाँच की जाय पिछले 5 सालो की दोषी ब्लॉक के अधिकारि हो या पंचायत के मुखिया कारवाई हो वो भी जल्द से जल्द..किसी भी क्षेत्र को विकास से वंचित रखना या विकास के नाम पर घटिया कार्य करना एक संगीन जुर्म है जल से जल्द जाँच कर कारवाई की जाए।

पैसा लेकर जमीन नहीं देने के आरोपी को मिली जमानत

जमशेदपुर : पोटका कोवाली स्थित एक जमीन को लेकर पैसे का भुगतान नहीं करने के आरोपी बुद्धेश्वर गुहा की जमानत अर्जी गुरुवार को जिला न्यायालय से मंजूर हो गई। अधिवक्ता निर्भय सिंह ने बताया कि आरोपी को पुलिस ने एक महीने पूर्व गिरफ्तार कर जेल भेजा था। थाना में धोखाधड़ी का मामला तपन दंडपात ने फरवरी 2022 में दर्ज कराया था। मामले में आरोपी है। मामले के कई आरोपी जेल में है तो कुछ जमानत पर पहले से रिहा है। इधर, जमानत मिलने के बाद बुद्धेश्वर गुहा के बेलबॉन्ड की प्रक्रिया शुरू है।

सुरक्षित शनिवार से कला सृजन तक

चरपोखरी के बालिका विद्यालय में रचनात्मकता का एक वर्ष

संवाददाता

चरपोखरी, भोजपुर : प्रोजेक्ट बालिका +2 विद्यालय, चरपोखरी में बीते एक वर्ष के दौरान आयोजित कलात्मक एवं रचनात्मक गतिविधियों ने छात्राओं के भीतर छिपी सृजनशीलता को नया मंच दिया है। विद्यालय में सुरक्षित शनिवार, ज्ञानोत्सव, कला प्रदर्शनी, प्रोजेक्ट प्रदर्शनी और विभिन्न स्वतंत्र कला गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं को न केवल कला से जोड़ा गया, बल्कि समकालीन सामाजिक विषयों को रचनात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम भी बनाया गया।

विद्यालय में सुरक्षित शनिवार की गतिविधियों को कला से जोड़ना इस पहल का महत्वपूर्ण पक्ष रहा। बाढ़, तूफान, आगजनी, भूकंप, सड़क एवं रेल दुर्घटना, शीतलहर, कुपोषण तथा विभिन्न बीमारियों से बचाव जैसे विषयों को छात्राओं ने चित्रों और प्रोजेक्ट के माध्यम से अभिव्यक्त किया। इस प्रयोग ने आपदा जागरूकता को महज सूचना तक सीमित न रखकर उसे सृजनात्मक अनुभव में बदलने का काम किया।

कला शिक्षक रौशन राय और संगीत शिक्षक प्रमोद कुमार के मार्गदर्शन में छात्राओं ने रंग, रेखा और कल्पना के

माध्यम से विभिन्न विषयों को आकार दिया। सहज और सपाट रंगों के साथ बनाई गई कलाकृतियों में विषय की प्रासंगिकता के साथ छात्राओं की अपनी कल्पनाशीलता भी दिखाई दी। कई चित्रों में स्थानीय परिवेश, लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन के प्रभाव स्पष्ट रूप से नजर आए।

विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय राय ने इन गतिविधियों पर निरंतर नजर रखते हुए छात्राओं को उनकी रचनाओं के सामाजिक और शैक्षणिक महत्व से परिचित कराया। उनका मानना है कि रचनाधर्मिता छात्राओं के व्यक्तित्व को बेहतर आकार देने वाली मूल प्रवृत्ति है। कला के माध्यम से बच्चे चीजों को देखने, समझने और उनकी कल्पना करने का नया नजरिया विकसित करते हैं।

विद्यालय की इन गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण परिणाम यह भी रहा कि छात्राओं में कला के प्रति आत्मविश्वास और कौशल विकास की समझ बढ़ी। आड़ी-तिरछी रेखाओं, रंगों और आकृतियों के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करने की सहजता धीरे-धीरे विकसित हुई। इससे छात्राओं को अपनी रचनाओं को बार-बार देखने, समझने और उनमें नए अर्थ तलाशने का अवसर मिला।

ग्रामीण और कस्बाई परिवेश से आने वाली छात्राओं की रचनाओं में स्थानीय लोक संस्कृति की छाप भी दिखाई दी। विद्यालय ने इसी स्थानीयता को समकालीन विषयों के साथ जोड़ने का प्रयास किया। सीमित संसाधनों के बावजूद कला को विद्यालयी गतिविधि का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाकर छात्राओं को प्रयोग और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया गया।

बीते एक वर्ष की गतिविधियों की समीक्षा से स्पष्ट होता है कि प्रोजेक्ट बालिका +2 विद्यालय, चरपोखरी में कला केवल रंग और रेखाओं तक सीमित नहीं रही। इसे जागरूकता, व्यक्तित्व विकास, स्थानीय संस्कृति और रचनात्मक शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया गया। सुरक्षित शनिवार के प्रोजेक्ट, कला प्रदर्शनी और प्रतियोगिताओं ने छात्राओं को अपनी प्रतिभा सामने रखने का अवसर दिया।

विद्यालय की यह पहल इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि कला गतिविधियां शिक्षा को अधिक सहज, संवेदनशील और अनुभवात्मक बनाती हैं। छात्राओं की रचनाओं में दिखाई देने वाला बदलाव इस बात का संकेत है कि अवसर और प्रोत्साहन मिलने पर ग्रामीण परिवेश की बच्चियां भी समकालीन विषयों को अपनी मौलिक कल्पना से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर सकती हैं।

कुल मिलाकर, प्रोजेक्ट बालिका +2 विद्यालय चरपोखरी का बीता एक वर्ष कला, जागरूकता और रचनात्मक शिक्षा के बेहतर समन्वय की कहानी रहा। विद्यालय की यह पहल न केवल छात्राओं के लिए बल्कि जिले के अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरक उदाहरण बन सकती है।